गुरुवार 15 मई 2025

सूर्योदय प्रातः 05:31 बजे

सूर्यास्त सांय 19:06 बजे

एनसीआर टुडे

करंट न्यूज करंट व्यूज

पृष्ठ 4 मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

उत्तर प्रदेश और दिल्ली से एक साथ प्रकाशित | वर्ष: 16 | अंक : 209 | गाजियाबाद, गुरुवार 15 मई 2025 | मूल्य : ₹ 2 | पेज : 06 | विक्रमी संवत् 2081 | युगाब्द 5126 | शाक 1946

गवई बने भारत के पहले बौद्ध और दूसरे दलित CJI

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

न्यायमूर्ति बी आर गवई ने बुधवार को भारत के 52वें मुख्य न्यायाधीश के रूप में शपथ ली। वह देश के पहले बौद्ध और दूसरे दलित मुख्य न्यायाधीश बन गए हैं। इससे पहले न्यायमूर्ति के जी बालकृष्णन दलित समुदाय से पहले सीजेआई बने थे। न्यायमूर्ति गवई को राष्ट्रपति भवन में एक समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शपथ दिलाई। गवई ने हिंदी में शपथ ली। उन्होंने सीजेआई संजीव खन्ना की जगह ली है जो मंगलवार को सेवानिवृत्त हो गए हैं।

न्यायमूर्ति बी आर गवई को 24 मई, 2019 को उच्चतम न्यायालय के न्यायाधीश के रूप में पदोन्नत किया गया था। उनका कार्यकाल छह महीने से अधिक समय का होगा और वह 23 नवंबर तक पद पर रहेंगे। शपथ ग्रहण से एक दिन पहले बार एंड बेंच को दिए साक्षात्कार में गवई ने कहा था कि मैं हमेशा सामाजिक और आर्थिक न्याय का पक्षधर रहा हूं। उन्होंने बताया कि न्यायपालिका में लंबित मामलों की संख्या को कम करना और निचली अदालतों के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना उनकी प्राथमिकताओं में है।

न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि मैं सुप्रीम कोर्ट से लेकर निचली अदालतों तक लंबित मामलों की समस्या को प्राथमिकता से हल करना चाहता हूं। उच्च न्यायालयों का बुनियादी ढांचा बेहतर है, लेकिन निचली अदालतों में अब भी समस्याएं हैं। उन्होंने माना कि उनका कार्यकाल केवल छह महीनों का है, इसलिए वे कोई बड़े वादे नहीं करना चाहते, लेकिन जो भी कर सकें, व्यावहारिक रूप से काम करेंगे। उन्होंने कहा कि न्यायालयों में मामलों की सूचीबद्ध करने की प्रक्रिया लंबित मामलों को प्रभावित करती है। उन्होंने कहा कि हमारे यहां अभी दो दिन गैर-महत्वपूर्ण मामलों और एक दिन नियमित मामलों के लिए होता है, जिससे नियमित मामलों की संख्या बढ़ती जा रही है। उन्होंने कहा कि वह अपने सहयोगी न्यायाधीशों के साथ इस पर चर्चा करेंगे और व्यावहारिक समाधान खोजने की कोशिश करेंगे।

हाल ही में न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के घर कैश बरामद होने के मामले पर टिप्पणी करते हुए गवई ने कहा कि 900 न्यायाधीशों में से ऐसे मामलों की संख्या बहुत कम है, लेकिन इतनी भी बर्दाश्त नहीं की जा सकती है। जनता हमारे ऊपर भरोसा करती है। उन्होंने यह भी कहा कि वह इन-हाउस जांच समिति की रिपोर्ट सार्वजनिक करने की प्रक्रिया को तय नियमों के तहत ही देखेंगे। केंद्र सरकार द्वारा कॉलेजियम की सिफारिशों पर निर्णय में हो रही देरी को लेकर न्यायमूर्ति गवई ने कहा कि वे सरकार के साथ संवाद स्थापित कर लंबित नियुक्तियों को जल्द से जल्द निपटाना चाहेंगे।

उन्होंने कहा कि नियुक्तियों में पारदर्शिता जरूरी है, लेकिन इसके साथ योग्यता को प्राथमिकता दी जानी चाहिए। अगर कोई न्यायाधीश के परिवार से है, लेकिन योग्य है, तो केवल संबंध के कारण उसे नकारा नहीं जा सकता। न्यायमूर्ति गवई ने माना कि उन्हें सुप्रीम कोर्ट में दलित प्रतिनिधित्व तय करने के लिए पदोन्नत किया गया था।

पाक ने अगवा किए BSF जवान को लौटाया, 23 अप्रैल से था कब्जे में

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

पाकिश्तान ने भारत के बीएसएफ जवान पूर्णम कुमार शॉ को छोड़ दिया है। शॉ बुधवार को अटारी-वाघा बॉर्डर के राश्ते भारत लौटे। बीएसएफ ने इसकी पुष्टि की है। वे 23 अप्रैल से पाकिश्तान के कब्जे में थे।

पूर्णम कुमार शॉ 23 अप्रैल गलती से पाकिश्तान की सीमा में चले गए थे और तभी से पाकिश्तानी रेंजर्स के कब्जे में थे। भारत और पाकिश्तान के डीजीएमओ श्तर की बातचीत के बाद उन्हें छोड़ा गया है। बीएसएफ के अधिकारी उन्हें अपने साथ मेडिकल चेकअप के लिए ले गए हैं। चेकअप के बाद उन्हें उनके घर भेजा जाएगा।

पूर्णम शॉ को पाकिश्तानी रेंजर्स ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के ठीक एक दिन पकड़ा था। आतंकी हमले के बाद पाकिश्तान की इस हरकत ने दोनों देशों के बीच के तनाव को और बढ़ा दिया था। डीजीएमओ श्तर की बातचीत के बाद अब पूर्णम शॉ को पाकिश्तान ने 14 मई को छोड़ा।

शॉ के जब पाकिश्तान के कब्जे में जाने की खबर मिली तो उनकी गर्भवती पत्नी रजनी वाघा-अटारी बॉर्डर पहुंच गई थी और उनकी वापसी पर अड़ गई थी। बीएसएफ द्वारा शॉ के सुरक्षित होने और उनकी वापसी का आश्वासन देने के बाद ही वे वापस लौटीं।

भारत और पाकिश्तान के बीच बढ़े तनाव ने उनकी चिंता बढ़ा दी थी लेकिन अब वे काफी खुश हैं।

जेवर में देश की छठी सेमीकंडक्टर यूनिट को कैबिनेट की मंजूरी : हर महीने बनेंगी 3.6 करोड़ चिप्स

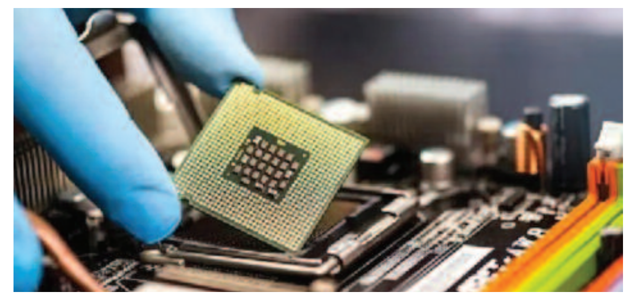

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को प्रधानमंत्री आवास पर हुई केंद्रीय कैबिनेट की अहम बैठक में उत्तर प्रदेश के जेवर में देश की छठी सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग यूनिट को मंजूरी दे दी गई। इस यूनिट पर कुल लागत ₹3706 करोड़ आएगी और यह एचसीएल और फॉक्सकॉन्न की साझेदारी में बनाई जाएगी।

इस नई यूनिट में मोबाइल फोन, लैपटॉप, ऑटोमोबाइल, पर्सनल कंप्यूटर और अन्य डिजिटल डिवाइसों के लिए आवश्यक डिस्प्ले ड्राइवर चिप्स का निर्माण किया जाएगा। अनुमान है कि यह प्लांट हर महीने 3.6 करोड़ चिप्स का उत्पादन करेगा। इस फैसले को भारत के सेमीकंडक्टर आत्मनिर्भरता मिशन की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है।

प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट बैठक के बाद सरकार ने जानकारी दी कि यह परियोजना इंडिया सेमीकंडक्टर मिशन के तहत मंजूर की गई है, जिसकी शुरुआत 2022 में की गई थी। इस मिशन के तहत अब तक 6 प्रमुख प्रोजेक्ट्स को स्वीकृति मिल चुकी है। वर्तमान में निर्माण कार्य तीव्र गति से जारी है। इसके अलावा, सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी को बढ़ावा देने के लिए 270 शैक्षणिक संस्थानों और 70 स्टार्टअप्स को शामिल करते हुए एक प्रशिक्षण नेटवर्क तैयार किया गया है, जहां छात्र अत्याधुनिक उपकरणों की सहायता से इस तकनीक को सीख रहे हैं। जेवर में सेमीकंडक्टर यूनिट की मंजूरी तकनीकी आत्मनिर्भरता की दिशा में भारत के प्रयासों को और मजबूती देती है, वहीं सरकार का ध्यान सामाजिक आंकड़ों को लेकर भी स्पष्ट रूप से सक्रिय है।

उत्तर प्रदेश के जेवर में लगेगी सेमी कंडक्टर यूनिट

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सरकार ने उत्तर प्रदेश के जेवर में देश की छठी सेमी कंडक्टर इकाई की स्थापना करने का फैसला किया है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में बुधवार को यहां हुई मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय के प्रश्ताव को मंजूरी दी गई। उन्होंने कहा कि करीब 3706 करोड़ रुपए के निवेश से स्थापित होने वाली इस इकाई में लगभग दो हजार लोगों को रोजगार मिलेगा। यह इकाई एचसीएल और फोक्सकॉन के सहयोग से स्थापित की जाएगी और इसमें डिस्प्ले ड्राइव का निर्माण किया जाएगा। इसकी क्षमता हर माह 3.6 करोड़ माइक्रो चिप्स की होगी।

रक्षकों की अदला-बदली समारोह का समय बदलेगा : राष्ट्रपति भवन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। राष्ट्रपति भवन ने एक बयान में कहा कि इस शनिवार से रक्षकों की अदला-बदली समारोह अपने ग्रीष्मकालीन समय सुबह 7.30 से 8.30 बजे के बीच होगा। राष्ट्रपति भवन द्वारा बुधवार को जारी बयान में यह जानकारी दी गई। यह समारोह एक दीर्घकालिक सैन्य परंपरा है, जो साप्ताहिक रूप से आयोजित की जाती है ताकि राष्ट्रपति के अंगरक्षकों के एक नए समूह को कार्यभार संभालने का अवसर मिल सके। प्रेसिडेंट बॉडीगार्ड (पीबीजी) भारतीय सेना की सबसे पुरानी रेजिमेंट है। इसे राष्ट्रपति के लिए औपचारिक कर्तव्यों का निर्वहन करने का काम सौंपा गया है। पीबीजी के कर्मी कुशल घुड़सवार, टैंक संचालक और पैराट्रूपर्स होते हैं।

जस्टिस वर्मा के खिलाफ याचिका पर तत्काल सुनवाई से इनकार

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति यशवंत वर्मा के खिलाफ नकदी बरामदगी मामले में प्राथमिकी दर्ज करने के अनुरोध वाली याचिका को तत्काल सुनवाई के लिए सूचीबद्ध करने से बुधवार को इनकार कर दिया। मुख्य न्यायाधीश बी. आर. गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने वकील और याचिकाकर्ता मैथ्यूज नेदुम्परा से उल्लेख करने की प्रक्रिया का पालन करने को कहा। मुख्य न्यायाधीश ने कहा कि कृपया उल्लेख करने की प्रक्रिया का पालन करें। पूर्व मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना ने मामलों को तत्काल सूचीबद्ध करने और सुनवाई के लिए मौखिक उल्लेख से इनकार कर दिया था और कहा था कि वकीलों या वादियों को पहले ईमेल लिखना होगा और सुप्रीम कोर्ट की रजिस्ट्री में जाना होगा। नेदुम्परा और तीन अन्य लोगों ने दायर याचिका में तत्काल आपराधिक कार्यवाही शुरू करने की मांग की थी, जिसमें कहा गया था कि आंतरिक समिति ने न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ आरोपों को प्रथम दृष्टया सही पाया है।

मीलॉर्ड! 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को आंखों और हाथ बांधकर समुद्र में फेंक दिया

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷। सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दाखिल हुई, जिसमें केंद्र सरकार पर आरोप लगाया गया है कि 43 रोहिंग्या शरणार्थियों को हाथ और आंखें बांधकर समुद्र में फेंक दिया गया है। याचिकाकर्ता का कहना है कि इन लोगों को वापस लिया जाए। याचिका में सनसनीखेज आरोप लगाते हुए कहा गया कि रोहिंग्या शरणार्थियों को सरकार ने जबरन बाहर निकाल दिया है। आरोप है कि 43 रोहिंग्या रिफ्यूजियों में महिलाएं, बच्चे और बुजुर्ग हैं। इसके अलावा कई लोग तो इनमें ऐसे हैं जो कैंसर जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे हैं। याचिका में मांग की गई है कि इन शरणार्थियों को दिल्ली वापस लाया जाए और कस्टडी से रिहा किया जाए। याचिका में आरोप लगाया गया है कि रोहिंग्या शरणार्थियों को पहले एयरपोर्ट ले जाया गया। इसके बाद इन्हें पोर्ट ब्लेयर में ले जाकर नेवी के जहाजों में बिठा दिया गया। इस दौरान इन लोगों की आंखों पर पट्टी और हाथों को बांध दिया गया था।

मुर्मु ने की 'ऑपरेशन सिंदूर' में सेनाओं की वीरता की सराहना

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने सीमापार से संचालित आतंकवाद के खिलाफ चलाये गये 'ऑपरेशन सिंदूर' में भारतीय सेनाओं की वीरता, समर्पण और सफलता की सराहना की है।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने बुधवार को यहां एक साथ श्रीमती मुर्मु से राष्ट्रपति भवन में मुलाकात कर उन्हें 'ऑपरेशन सिंदूर' के विषय में जानकारी दी। राष्ट्रपति तीनों सेनाओं की सर्वोच्च कमांडर हैं। जनरल चौहान के साथ थल सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल ए पी सिंह तथा नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश त्रिपाठी ने राष्ट्रपति को पाकिश्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के खिलाफ की गयी कार्रवाई की जानकारी दी। राष्ट्रपति भवन ने इस मुलाकात की जानकारी सोशल मीडिया 'एक्स' पर दी और कहा कि इन शीर्ष सैन्य अधिकारियों ने राष्ट्रपति को

ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बताया। पोस्ट में कहा गया है," राष्ट्रपति मुर्मु ने अपने सशस्त्र बलों की वीरता और समर्पण की सराहना की, जिसने आतंकवाद के खिलाफ भारत के जवाब को शानदार सफलता बना दिया।" पहलगाम में पाकिश्तान की शह पर आतंकवादियों द्वारा निर्दोष नागरिकों की चुन-चुन कर हत्या किए जाने के जवाब में भारतीय सेनाओं ने पाकिश्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों के अड्डों और उनकी मदद करने वालों के खिलाफ छह-सात मई की दरमियानी रात में कार्रवाई शुरू की थी, जिसमें 100 से अधिक दुर्दांत आतंकवादियों का सफाया कर दिया गया।

मोदी 25 को राजग शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ बैठक करेंगे

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 25 मई को राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासित राज्यों के मुख्यमंत्रियों और उपमुख्यमंत्रियों के साथ एक बैठक करेंगे जिसमें 'ऑपरेशन सिंदूर' और उसके बाद की राजनीतिक स्थिति पर चर्चा हो सकती है।

सूत्रों के अनुसार भाजपा राजग के अपने सहयोगियों को बताएगी कि सैन्य कार्रवाई रोकने का निर्णय भारत और पाकिश्तान के बीच द्विपक्षीय फैसला था। भाजपा कार्यकर्ताओं को यह संदेश देगी कि 'ऑपरेशन सिंदूर' का मकसद सिर्फ पाकिश्तान और पाकिश्तान अधिकृत कश्मीर में आतंकवादियों को निशाना बनाना था, न कि किसी अन्य देश की सेना पर हमला करना। पार्टी भारत की आर्थिक ताकत बढ़ाने और चीन के मुकाबले बेहतर विकल्प के तौर पर उभरने पर भी जोर देगी।

भारत के बारे में अमेरिका से निर्णय लेने संबंधी मुद्दे पर जवाब दें मोदी, संसद सत्र बुलाएं : कांग्रेस

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली ✷

कांग्रेस ने कहा है कि पाकिस्तान के विरुद्ध सैन्य कार्रवाई रोकने के निर्णय तथा कश्मीर को लेकर राग अलापने का हर मंच से जो काम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की तरफ से किया जा रहा है वह देश की सुरक्षा और संप्रभुता के लिए गंभीर चिंता का विषय है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को इसको लेकर चुप्पी साधने की बजाय देश को जवाब देना चाहिए।

कांग्रेस के संचार विभाग के प्रभारी जयराम रमेश तथा विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की यहां हुई बैठक के बाद पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर पहली घोषणा अमेरिका से होती है जो गंभीर सवाल खड़े करती है और मोदी सरकार को इस सवाल का जवाब देना

चाहिए। अब अमेरिका की ओर से कश्मीर को लेकर चर्चा करने का प्रयास किया जा रहा है, जबकि इस मुद्दे पर सिर्फ भारतीय संसद में ही बात होनी चाहिए लेकिन इस बारे में भी श्री मोदी चुप्पी साधे हैं।

प्रधानमंत्री बुनियादी सवालों का जवाब देने की बजाय आपरेशन सिंदूर पर राजनीति कर रहे हैं और इसे एक पार्टी का ब्रांड बनाने का प्रयास किया जा रहा है इसलिए सिर्फ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) शासन वाले राज्यों के मुख्यमंत्रियों की बैठक बुलाई जा रही है।

यह इस आपरेशन सिंदूर के राजनीतिकरण करने का प्रयास है और इसे पार्टी का ब्रांड बनाने की कोशिश हो रही है। कुछ दिन पहले एक उद्योगपति घराने ने भी आपरेशन सिंदूर को ब्रांड बनाने की कोशिश की थी।

उन्होंने कहा कि बैठक में पहलगाम हमले का मुद्दा भी उठा और पहलगाम हमले को लेकर सुरक्षा तथा खुफिया चूक पर गहरी चिंता व्यक्त की गई तथा सरकार से इस बारे में सवाल पूछे गये है। उनका कहना था कि बैठक में 23 वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और सभी नेताओं ने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि देश की सुरक्षा और संप्रभुता का सवाल है तो क्यों अमेरिका व्यापार का मुद्दा उठाकर दबाव बनाने का काम कर रहा है। सैन्य कार्रवाई रोकने की पहली घोषणा अमेरिका से हुई, लेकिन प्रधानमंत्री और विदेश मंत्री एस. जयशंकर इस बारे में कुछ नहीं कहते हैं।

चिंता 'हाईकोर्ट के कई जज लेते हैं अनावश्यक ब्रेक', झारखंड से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणी

हाईकोर्ट के जजों के कार्यों का अब होगा मुल्यांकन

✷ एनसीआर टुडे. नई दिल्ली/रांची ✷

सर्वोच्च न्यायालय ने आजीवन कारावास की सजा के मामले में झारखंड के चार लोगों की याचिका पर बुधवार को सुनवाई करते हुए उच्च न्यायालयों के न्यायाधीशों की कार्यशैली पर तल्ख टिप्पणी की।

जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस एनके सिंह की खंडपीठ ने उच्च न्यायालयों में मुकदमों की सुनवाई पूरी होने के बाद भी लंबे समय तक फैसला सुरक्षित रखने पर चिंता जताते हुए कहा कि अब समय आ गया है कि जजों के परफॉर्मेंस का भी ऑडिट हो।

खंडपीठ ने कहा, "कुछ न्यायाधीश बहुत परिश्रम करते हैं, लेकिन कुछ न्यायाधीश बार-बार अनावश्यक ब्रेक लेते हैं। कभी कॉफी ब्रेक, कभी लंच ब्रेक तो कभी कोई और ब्रेक।

वे लगातार लंच ब्रेक तक क्यों काम नहीं करते? हम हाईकोर्ट के जजों को लेकर कई शिकायतें सुन रहे हैं। यह एक ऐसा मुद्दा है, जिसे गंभीरता से देखने की आवश्यकता है।

हम कैसा परफॉर्मेंस कर रहे हैं और हमारा न्यायिक आउटपुट क्या है, इसका मूल्यांकन जरूरी है। अब समय आ गया है कि परफॉर्मेंस-ऑडिट हो।"

सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर करने वाले आजीवन कारावास सजा प्राप्त झारखंड के चार अभियुक्तों ने अपनी अपील में कहा था कि वे अनुसूचित

जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग से ताल्लुक रखते हैं। उनका आरोप था कि उनकी आपराधिक अपीलों पर हाईकोर्ट में सुनवाई पूरी होने के बावजूद, दो से तीन वर्षों तक निर्णय सुरक्षित रखा गया है।

कोर्ट ने कहा, "ऐसे मामले यह दर्शाते हैं कि न्यायिक प्रक्रिया में लोगों का विश्वास बनाए रखने के लिए अनिवार्य दिशानिर्देशों की आवश्यकता है, ताकि दोषियों या विचाराधीन कैदियों को ऐसा न लगे कि उन्हें न्याय मिलने की गारंटी नहीं है। इस प्रकार की याचिकाएं बार-बार दायर नहीं होनी चाहिए।"

हालांकि, इस मामले में 5 मई को हुई पिछली सुनवाई में सुप्रीम कोर्ट को बताया गया कि इन चारों मामलों में अब निर्णय सुना दिया गया है।

तीन मामलों में दोषियों की अपील स्वीकार कर ली गई, जबकि चौथे मामले में मतभेद के चलते उसे दूसरी पीठ को सौंपा गया।

सुप्रीम कोर्ट ने इस याचिका पर पिछली सुनवाई के दौरान देश के सभी उच्च न्यायालयों से जानकारी मांगी थी कि 31 जनवरी 2025 या उसके पहले के कौन-कौन से मामले हैं, जिनमें सुनवाई पूरी करने के बावजूद अब तक फैसला सुनाया नहीं गया है।

इसके बाद, 9 मई को सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट से यह भी जानकारी मांगी कि फैसले कब सुनाए गए और कब उन्हें कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किया गया। सुप्रीम कोर्ट ने मामले की अगली सुनवाई जुलाई महीने में निर्धारित की है। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता फौजिया शकील ने अदालत में पक्ष रखा।

भुगतान को लेकर किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की विलाई मिल पर बैठक

✷ एनसीआर टुडे. हल्दौर ✷

बुधवार को बिलाई मिल गन्ना भुगतान को लेकर आज किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा की एक बैठक बिलाई मिल पर सम्पन्न हुई।

बैठक को सम्बोधित करते हुए संगठन के युवा प्रदेश अध्यक्ष विकास चौधरी ने कहा कि बिलाई मिल द्वारा समय से गन्ना भुगतान न होने के कारण किसानों की आर्थिक स्थिति कमजोर हो गई है। बिलाई मिल की गन्ना भुगतान की पॉलिसी से परेशान होकर बिलाई मिल क्षेत्र के किसान गन्ना परिवर्तन कर दूसरी मिल को डायवर्ट करने को लेकर बार-बार आंदोलन किए जाते हैं लेकिन शासन प्रशासन द्वारा किसानों की सुनवाई नहीं होती है। विकास चौधरी ने शासन प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि शासन प्रशासन द्वारा ही किसानों का शोषण कराया जा रहा है और किसानो की इस दशा का जिम्मेदार शासन प्रशासन है।

विकास चौधरी ने चेतावनी देते हुए कहा कि अगर बिलाई मिल द्वारा शीघ्र गन्ने का भुगतान नहीं किया गया तो किसान मजदूर संघर्ष मोर्चा एक बड़ा आंदोलन करने को बाध्य होगा। बैठक के उपरांत एक ज्ञापन बिलाई मिल के एमडी को संबोधित मिल गन्ना प्रबंधक राहुल चौधरी को सौंपा गया और एक ज्ञापन हल्दौर गन्ना समिति पहुंचकर जिला गन्ना अधिकारी बिजनौर को संबोधित गन्ना समिति सचिव हल्दौर मुकेश राठी को सौंपा गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष विकास उर्फ नूरी, राकेश कुमार, मुनेंद्र सिंह, देवेंद्र सिंह,विकेश कुमार, छोटू कुमार आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

यमुना एक्सप्रेसवे पर ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक घायल

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

रबूपुरा कोतवाली क्षेत्र में यमुना एक्सप्रेसवे के जीरो पॉइंट से 28 किमी पर करौली बांगर गांव के पास तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक सवार दो युवकों को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार केशव उर्फ कृष्णा (20 वर्ष) निवासी मथुरा की मौत हो गई। जबकि बाइक सवार दूसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल का ग्रेटर नोएडा के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

पुलिस ने बताया कि मथुरा के थाना नौहझील निवासी केशव उर्फ कृष्णा अपने अन्य साथी दिनेश के साथ बाइक से दिल्ली गए थे। बुधवार सवेरे चार बजे दोनों बाइक पर सवार होकर अपने गांव के लिए यमुना एक्सप्रेसवे से वापस लौट रहे थे। बाइक दिनेश चला रहा था। उन्होंने हेलमेट भी पहना हुआ था। जैसे ही उनकी बाइक यमुना एक्सप्रेसवे की जीरो पॉइंट से 28 किमी दूर करौली बांगर गांव के पास पहुंची तो तभी ग्रेटर नोएडा की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रक ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक पर सवार दोनों युवक गंभीर रूप से घायल गए। परिजनों की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की गई है।

मामूली विवाद में तीन लोगों ने युवक को घेरकर पीटा

✷एनसीआर टुडे. नोएडा ✷

नोएडा, 14 मई (वेब वार्ता)। मामूली विवाद में तीन लोगों ने राश्ते में एक व्यक्ति को घेरकर पीट दिया। सिर समेत शरीर के अन्य हिस्से में चोट लगने के कारण घायल को निजी अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। सेक्टर-49 पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर दो नामजद और एक अज्ञात के खिलाफ मारपीट समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अखंड प्रताप सिंह ने बताया कि वर्तमान में वह सेक्टर-73 के ड्रीम्स होम में परिवार के साथ रह रहे हैं। अखंड का आदेश और आकाश से पीजी को लेकर विवाद है। मंगलवार को अखंड सेक्टर-51 स्थित बीडीएस मार्केट के सामने से अपने घर जा रहे थे।

जैसे ही वह होशियारपुर के गली नंबर चार के पास पहुंचे आदेश और आकाश मिल गए। दोनों ने अखंड के साथ गाली-गलौज करनी शुरू कर दी। विरोध करने पर दोनों ने अपने एक अन्य साथी को भी मौके पर बुला लिया। तीनों ने घेरकर अखंड के साथ मारपीट की। शोर मचाने पर आसपास के लोग मौके पर जमा होने लगे। अखंड से भागकर मुश्किल से अपनी जान बचाई। लोगों को आता देख आरोपी अखंड को जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। आरोपियों ने मामले की पुलिस से शिकायत करने पर गंभीर परिणाम भुगतने की धमकी भी दी। पुलिस ने आदेश, आकाश और उसके एक अज्ञात साथी के खिलाफ तीन धाराओं में केस दर्ज किया है। फरार आरोपियों की तलाश की जा रही है।

19वीं मंजिल के ऊपर से प्लास्टर गिरने से दो गाड़ियां क्षतिग्रस्त

✷एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा ✷

ग्रेटर नोएडा वेस्ट स्थित अरिहंत आर्डेन सोसाइटी में मंगलवार देर रात को 19वीं मंजिल से प्लास्टर का एक बड़ा हिस्सा नीचे खड़ी गाड़ियों के ऊपर गिर गया, जिसके कारण दो वाहन क्षतिग्रश्त हो गए। वाहनों के क्षतिग्रश्त होने से मालिकों को काफी नुकसान हुआ है। वहीं, निवासियों ने सोसाइटी का स्ट्रक्चर ऑडिट कराने की मांग है।

पूर्व रक्षा सचिव अजय कुमार यूपीएससी के नए चेयरमैन नियुक्त, प्रीति सूदन की लेंगे जगह

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय प्रशासनिक सेवा के रिटायर्ड अधिकारी और पूर्व रक्षा सचिव डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) का नया अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने मंगलवार देर रात एक आधिकारिक आदेश जारी कर उनकी नियुक्ति की जानकारी दी। आदेश में कहा गया, राष्ट्रपति को संविधान के अनुच्छेद 316(1) के तहत डॉ. अजय कुमार को संघ लोक सेवा आयोग का अध्यक्ष नियुक्त करते हुए प्रसन्नता हुई है। यह अनुच्छेद लोक सेवा आयोगों के सदस्यों की नियुक्ति से संबंधित है।

डॉ. अजय कुमार 1985 बैच के केरल कैडर के आईएएस अधिकारी हैं। उनकी यूपीएससी अध्यक्ष के रूप में नियुक्ति उसी दिन से प्रभावी होगी, जिस दिन वह कार्यभार ग्रहण करेंगे। डॉ. अजय कुमार ने रक्षा मंत्रालय के सचिव के रूप में कार्य किया है और अपने कार्यकाल के दौरान कई अहम रक्षा सुधारों में भूमिका निभाई। अब वह यूपीएससी जैसे प्रतिष्ठित आयोग की कमान संभालेंगे, जो देश की सबसे कठिन और प्रतिष्ठित परीक्षाओं का आयोजन करता है।

प्रीति सूदन का कार्यकाल समाप्त: अजय कुमार की नियुक्ति प्रीति सूदन के कार्यकाल की समाप्ति के बाद हुई है। पूर्व स्वास्थ्य सचिव प्रीति सूदन को जुलाई 2024 में यूपीएससी अध्यक्ष नियुक्त किया गया था, जब तत्कालीन अध्यक्ष मनोज सोनी ने अचानक इस्तीफा दे दिया था। उनका कार्यकाल 29 अप्रैल को समाप्त हुआ। मनोज सोनी जून 2017 से मई 2023 तक यूपीएससी के सदस्य रहे। उन्होंने अध्यक्ष बनने के कुछ ही समय बाद जून 2024 की शुरुआत में निजी कारणों का हवाला देते हुए इस्तीफा दे दिया था।

विपक्ष के सवाल: हालांकि, सोनी के इस्तीफे को लेकर विपक्षी दलों ने सवाल उठाए थे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे सहित कई नेताओं ने मांग की कि सरकार यह स्पष्ट करे कि सोनी का इस्तीफा आखिर किस कारण हुआ। उन्होंने पूछा कि क्या यह इस्तीफा यूपीएससी से जुड़ी कथित घोटालों से जुड़ा था?

पूजा खेडकर विवाद की छाया: गौरतलब है कि यूपीएससी पिछले साल जुलाई में उस समय विवादों में आ गया था जब ट्रेनी आईएएस अधिकारी पूजा खेडकर पर फर्जी पहचान के आधार पर अतिरिक्त सिविल सेवा परीक्षा प्रयास प्राप्त करने का आरोप लगा। आयोग ने बाद में खेडकर की अस्थायी उम्मीदवारी रद्द कर दी और उन्हें भविष्य की सभी परीक्षाओं और चयन प्रक्रियाओं से प्रतिबंधित कर दिया। हालांकि यह विवाद सोनी के इस्तीफे के बाद सामने आया, लेकिन इसकी टाइमिंग को लेकर भी सवाल उठे।

यूपीएससी की भूमिका: संघ लोक सेवा आयोग न केवल सिविल सेवा परीक्षा आयोजित करता है, बल्कि विभिन्न सेवाओं में पदोन्नति, प्रतिनियोजन और अनुशासनात्मक मामलों को भी देखता है। अब डॉ. अजय कुमार इस महत्वपूर्ण संस्था का नेतृत्व करेंगे।

विपक्ष उठा रहा सीजफायर पर सवाल, लेकिन कश्मीर से पीडीपी एवं एनसी ने किया समर्थन

कश्मीर, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच घोषित ताजा सीजफायर को लेकर जहां कांग्रेस सहित विपक्ष के कुछ दल सवाल उठा रहे हैं, वहीं मोदी सरकार को समर्थन भी मिला है। समर्थन की ये आवाजें कश्मीर घाटी से आ रही हैं। जम्मू-कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और नेशनल कांफ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने इस फैसले को राजनीतिक समझदारी बताया है और विपक्ष से इसे राजनीतिक मुद्दा न बनाने की अपील की है।

बीते वर्षों में भाजपा की कटु आलोचक रहीं पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा, यह समय राजनीतिक आलोचना का नहीं है, एकजुटता दिखाने का है। जिस तरह पहलगाम हमले के बाद देश एकजुट हुआ, वैसे ही अब शांति प्रक्रिया के लिए राष्ट्रीय सहमति बनानी चाहिए। उन्होंने टीवी स्टूडियो में बैठे आलोचकों को आड़े हाथों लेते हुए कहा, जो लोग एयर-कंडीशंड कमरों में बैठकर युद्ध की बातें करते हैं, वे कभी सीमा पर रहने वाले परिवारों के दर्द को नहीं समझ सकते। यह समझ तभी आ सकती है जब आप खुद मौत और तबाही का सामना करें।

वहीं, नेशनल कांफ्रेंस के उपाध्यक्ष और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने भी महबूबा का समर्थन किया। कुपवाड़ा जिले के तंगधार क्षेत्र में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा, जो लोग नोएडा और मुंबई में टीवी स्टूडियो में बैठकर युद्ध की बातें करते हैं, उन्हें जमीनी हकीकत नहीं पता। सीमा पर रहने वाले लोग सीजफायर चाहते हैं। यही उनकी सच्ची भावना है। यह एक अच्छा कदम है और इसे जारी रहना चाहिए।

महबूबा बोलीं- पाकिस्तान से हो संवाद

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी और डॉ. मनमोहन सिंह जैसे नेताओं ने यह दिखाया कि तनावपूर्ण समय में भी पाकिस्तान के साथ बातचीत की जा सकती है। इस दौरान देश की सुरक्षा या संप्रभुता से समझौता नहीं होना चाहिए। उन्होंने कहा, जम्मू-कश्मीर के बच्चे बदले का इंतजार नहीं कर रहे, वे शांति चाहते हैं। सच्चे उपचार की शुरुआत संवाद से होती है। हमें ऐसा भविष्य बनाना चाहिए जिसमें हमारे बच्चे डर के बिना जी सकें।

कांग्रेस और आप ने उठाए सवाल

हालांकि कांग्रेस ने पहलगाम हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद केंद्र सरकार को समर्थन दिया था। अब पार्टी ने सीजफायर की टाइमिंग और अमेरिका की भूमिका पर सवाल उठाए हैं। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने दिल्ली में कहा, देश को लग रहा था कि हमारी सेना पाकिस्तान को करारा जवाब दे रही है और यह एक सुनहरा मौका था। लेकिन सीजफायर की घोषणा जिस तरह की गई, उससे सरकार की नैतिक ताकत पर सवाल उठता है। आम आदमी पार्टी (आप) ने भी केंद्र से विशेष संसद सत्र बुलाने की मांग की है ताकि पहलगाम हमला और ऑपरेशन सिंदूर पर चर्चा हो सके। दिल्ली में संजय सिंह ने कहा, हमारी सेना मजबूती से जवाब दे रही थी, फिर हमने सीजफायर की घोषणा कर दी। ये फैसले सवालों के घेरे में है।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर बीजेपी मंत्री की अमर्यादित टिप्पणी पर भड़कीं मायावती, सख्त कार्रवाई की मांग

लखनऊ, एजेंसी। बीजेपी नेता और मध्य प्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर दिए बयान पर बसपा सुप्रीमो मायावती ने नाराजगी जताई है। मायावती ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए सोशल मीडिया साइट ऐक्स पर पोस्ट किया है। मायावती ने महिला सैन्य अधिकारी के संबंध में की गई अभद्र टिप्पणी पर केंद् सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग है। मायावती ने इसे अति-दुखद व शर्मनाक बताया है। मायावती ने बुधवार सुबह ऐक्स पर पोस्ट किया है। मायावती ने बीजेपी मंत्री पर निशाना साधा है। उन्होंने मंत्री पर हमला बोला है। उन्होंने कहा कि पहले विदेश सचिव और फिर उसके बाद सेना की महिला अफसर के प्रति घृणित, असभ्य व अमर्यादित टिप्पणी, वास्तव में जोश व उमंग के उस पूरे अच्छे माहौल को नष्ट करने वाली है जो पूरा देश भारतीय सेना की पाकिस्तान के विरुद्ध 'आपरेशन सिंदूर' की सफलता से उत्साहित है, जो यह अति-दुखद व शर्मनाक है।

इस क्रम में मध्यप्रदेश के एक वरिष्ठ मंत्री द्वारा मुस्लिम महिला सेना प्रवक्ता के सम्बंध में की गई अभद्र टिप्पणी को भाजपा व केन्द्र सरकार गंभीरता से लेकर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई जरूर करे, ताकि दुश्मनों के नापाक मंसूबे नाकाम हों और देश में आपसी भाईचारा व समरसता न बिगड़ने पाए। आपको बता दें कि मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री विजय शाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसमें वे भारतीय सैन्य अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी के बारे में अपत्तिजनक टिप्पणी करते हुए नजर आए। इसके बाद से विपक्ष हमलावर है। इससे पहले कांग्रेस भी हमला बोला है। कांग्रेस के कई नेताओं ने उन्हें मंत्री पद से हटाने की मांग करते हुए कहा है कि उन्हें माफी मांगनी चाहिए।

उद्धव-राज ठाकरे के बीच फिर बढ़ रहीं नजदीकियां, शिंदे सेना ने भी तेज की कोशिशें, बीएमसी चुनाव पर नजर

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र की सियासत में एक बार फिर ठाकरे बंधुओं के पुनर्मिलन की चर्चा जोर पकड़ रही है। उद्धव की शिवसेना ने अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ गठबंधन की संभावनाओं को फिर से हवा दी है। दूसरी ओर, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना ने भी मनसे के साथ नजदीकी बढ़ाने की कोशिशें तेज कर दी हैं। शिंदे सेना के वरिष्ठ नेता और मंत्री उदय सामंत ने राज ठाकरे से उनके मुंबई स्थित निवास पर मुलाकात की। इससे बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) और अन्य नागरिक निकाय चुनावों से पहले सियासी समीकरण और रोचक हो गए हैं।

उदय सामंत और राज ठाकरे के बीच चौथी मुलाकात: इंडियन एक्सप्रेस की रिपोर्ट के मुताबिक, यह पिछले साल नवंबर में हुए विधानसभा चुनावों के बाद उदय सामंत और राज ठाकरे के बीच चौथी मुलाकात थी। हालांकि सामंत ने इसे एक शिष्टाचार भेंट बताया और किसी भी राजनीतिक चर्चा से इनकार किया। उन्होंने कहा, मैं दादर इलाके में कुछ काम से गया था, तो सोचा राज साहेब से मिल लूं। हमने कुछ घटनाक्रमों पर चर्चा की, लेकिन इसमें कोई राजनीतिक बात नहीं हुई। अगर बीएमसी चुनावों को लेकर कोई बात होती, तो हम प्रेस कॉन्फ्रेंस करके इसकी जानकारी देते। लेकिन यह मुलाकात ऐसे वक्त पर हुई है जब राज्य की राजनीति में कई संकेत मिल रहे हैं कि बीजेपी और शिंदे गुट की शिवसेना, राज ठाकरे की पार्टी एमएनएस को महायुति गठबंधन में शामिल करने की कवायद कर रहे हैं। बीते महीने खुद मुख्यमंत्री शिंदे भी राज ठाकरे से उनके निवास पर मिले थे। वहीं, हाल ही में राज ठाकरे ने डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस से भी मुलाकात की थी।

इन मुलाकातों ने शिवसेना (यूबीटी) और एमएनएस के संभावित गठबंधन की चर्चाओं पर सवाल खड़े कर दिए हैं। वहीं, उद्धव गुट के प्रवक्ता और राज्यसभा सांसद संजय राउत ने इन घटनाक्रमों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि उनकी पार्टी ने राज ठाकरे के सुलह प्रस्ताव पर सकारात्मक रुख अपनाया है। राऊत ने कहा, राज ठाकरे ने शुरुआत की थी, हमने सकारात्मक प्रतिक्रिया दी। आज भी हमारा रुख वैसा ही है। अब फैसला राज ठाकरे को लेना है। हम उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते हैं।

उद्धव की अपील और शिंदे की मुलाकातें: राउत ने मंगलवार को कहा कि उद्धव ठाकरे ने राज ठाकरे के साथ मतभेदों को दरकिनार करने की इच्छा जताई है। राउत ने कहा, उद्धव जी ने संकेत दिया है कि वह मराठी मानूस और महाराष्ट्र के हित में एकजुट होने को तैयार हैं। अब गेंद राज ठाकरे के पाले में है। उद्धव ने पिछले महीने एक कार्यक्रम में कहा था कि वह मराठी भाषा और लोगों के लिए मतभेद भुलाने को तैयार हैं।

300 से सीधे 2800 रुपए! हिमाचल में बिजली दरों पर जयराम ठाकुर का कांग्रेस सरकार पर तीखा हमला

शिमला, एजेंसी। हिमाचल प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के नेता जयराम ठाकुर ने सिंचाई के लिए बिजली बिलों में भारी बढ़ोतरी को लेकर हिमाचल प्रदेश की कांग्रेस सरकार की कड़ी आलोचना की है। जयराम ठाकुर ने इस कदम को मनमाना और अनुचित बताया है।

उन्होंने कहा कि विपक्ष की ओर से बार-बार चेतावनी दिए जाने और किसानों के विरोध के बावजूद मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू के नेतृत्व वाली राज्य सरकार कोई कार्रवाई करने में विफल रही। इसे उन्होंने बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। जयराम ठाकुर ने कहा, किसानों द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले सिंचाई कनेक्शनों के लिए बिजली के बिल चौंकाने वाले हैं। इस मुद्दे को सरकार के संज्ञान में लाने के बावजूद, कोई सक्रिय प्रतिक्रिया नहीं हुई है। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

इससे पहले उन्होंने बताया कि किसान 500 यूनिट बिजली की खपत के लिए 300 रुपए देते थे, लेकिन अब नई नीति के तहत उसी इस्तेमाल के लिए बिल बढ़कर करीब 2800 रुपए हो गया है। ठाकुर ने टैरिफ वृद्धि को देश के अन्नदाताओं पर हमला बताया और कहा कि यह अस्वीकार्य है। जयराम ने हमलावर होते हुए कहा कि देश के अन्नदाताओं के साथ इस तरह का अन्याय बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। बिजली दरों में भारी बढ़ोतरी अनुचित है। सरकार को इस मुद्दे को गंभीरता से लेना चाहिए और किसानों से इस तरह की वसूली बंद करनी चाहिए। उन्होंने कहा, ऐसे मनमाने बिल से किसान कैसे निपटेंगे? यह देश के अन्नदाताओं पर थोपी गई अराजकता है। भारतीय जनता पार्टी इसका कड़ा विरोध करती है और सरकार इस विरोध पर आंखें मूंद नहीं सकती। कांग्रेस सरकार के प्रचार-प्रसार के तरीकों पर कटाक्ष करते हुए ठाकुर ने

कहा कि सरकार छोटी-छोटी उपलब्धियों का भी गर्व से प्रचार करती है, लेकिन सीधे जनता को प्रभावित करने वाले मुद्दों पर चुप रहना पसंद करती है। उन्होंने कहा, जब भी सरकार दूध के दाम 2 रुपये बढ़ाती है, तो वह राज्य के हर कोने...सड़कों, चौराहों, बसों...को पोस्टरों और होर्डिंग्स से भर देती है। लेकिन जब वह बिजली के बिलों में पांच से सात गुना वृद्धि करती है, तो वह चुप हो जाती है। उन्होंने कांग्रेस पार्टी के चुनावी वादों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव से पहले की उनकी प्रमुख गारंटियों में से एक 300 यूनिट मुफ्त बिजली देना था। उन्होंने सरकार पर न केवल उस वादे को पूरा करने में विफल रहने का आरोप लगाया, बल्कि बिजली दरों में भी तेजी से वृद्धि की।

कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को किया खारिज

नईदिल्ली, एजेंसी। भारत और पाकिस्तान के बीच हालिया संघर्ष विराम और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की कथित मध्यस्थता को लेकर शुरू हुई राजनीतिक बहस ने नया मोड़ ले लिया है। कांग्रेस सांसद शशि थरूर अब इस बहस के केंद्र में आ गए हैं। पूर्व विदेश राज्य मंत्री और वर्तमान में तिरुवनंतपुरम से कांग्रेस सांसद थरूर ने पत्रकार करण थापर को दिए एक इंटरव्यू में अमेरिकी राष्ट्रपति के दावे को खारिज करते हुए कहा कि यह दावा अविश्वसनीय है कि भारत ने अमेरिका से पाकिस्तान के साथ संघर्ष विराम में मध्यस्थता करने को कहा। थरूर ने अपने अनुभव के आधार पर यह बात कही है।

उन्होंने कहा कि अगर भारत अमेरिका से संपर्क करता तो वह एक औपचारिक और स्पष्ट आग्रह होता। उन्होंने कहा, अगर एस जयशंकर अमेरिका से कहते कि कृपया पाकिस्तान को यह ए बी सी संदेश दें, तो उसे मध्यस्थता कहा जाता। लेकिन मुझे ऐसा नहीं लगता है कि अगर भारत ने ऐसा किया होगा।

करण थापर के यह पूछने पर कि वह एक विपक्षी दल के नेता होने के बावजूद कैसे इतने निश्चित हैं कि ऐसा नहीं हुआ है। उनके इस सवाल पर थरूर ने कहा, यह मेरा अनुमान है। यह मेरे दशकों के अनुभव और भारतीय विदेश नीति को समझने की क्षमता पर आधारित है।

इंटरव्यू के दौरान शशि थरूर ने कहा कि ट्रंप के ट्वीट के बाद

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार की चुप्पी का मतलब यह हो सकता है कि सरकार डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन को निजी तौर पर आपत्ति जता रही है। आपको बता दें कि थरूर विदेश मामलों की संसदीय समिति के अध्यक्ष भी हैं।

जब शशि थरूर से पूछा गया कि ऑपरेशन सिंदूर से भारत को क्या मिला तो उन्होंने कहा इस ऑपरेशन को पूरी तरह से संयमित और जिम्मेदार तरीके से अंजाम दिया गया था। उन्होंने कहा, हमने पहले ही दिन स्पष्ट कर दिया था कि यह कोई युद्ध की शुरुआत नहीं है। अगर पाकिस्तान जवाब देगा तो हम भी जवाब देंगे। अगर वह चुप रहा, तो हम भी कोई अतिरिक्त कार्रवाई नहीं करेंगे।

ऑपरेशन सिंदूर से हमें जो हासिल हुआ, वह यह है कि हमने 7 मई को एक बहुत ही स्पष्ट संकेत भेजा है। उन्होंने कहा, पूरे चार दिन नहीं। पहले दिन से ही हमारी कार्रवाई सोची-समझी और सटीक थी। हमने संकेत दिया कि हम अपनी धरती पर पाकिस्तान समर्थित आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करेंगे। हमने यह संदेश दिया है कि एक परिपक्व शक्ति के रूप में होते हुए हम अपनी प्रतिक्रिया सावधानी से करेंगे। हम टारगेट को निशाना बनाने में सक्षम थे। हमने लश्कर के परिसर में एक इमारत को तबाह किया। आम नागरिकों की क्षति को कम से कम किया गया।

उन्होंने कहा, हमने पंजाब के हृदय स्थल में आतंकवादी ठिकानों पर हमला किया। हमने लोगों को बताया कि दस्ताने उतार दिए गए हैं। यह एक शक्तिशाली संदेश है और इसे भेजने की आवश्यकता थी और भेजा गया। शशि थरूर ने 2016 के सर्जिकल स्ट्राइक, 2019 के बालाकोट एयरस्ट्राइक और अब ऑपरेशन सिंदूर को भारत की स्पष्ट और बदलती पाकिस्तान नीति के उदाहरण के रूप में गिनाया।

बच्चों को कला से क्यो रखा है दूर? राजस्थान हाईकोर्ट की राज्य सरकार को फटकार!

जयपुर, एजेंसी। राजस्थान हाईकोर्ट ने प्रदेश के सरकारी स्कूलों में कला शिक्षकों की भर्ती को लेकर राज्य सरकार को अंतिम चेतावनी दी है। कोर्ट ने दो टूक कहा है कि बच्चे देश का भविष्य हैं, और उन्हें चित्रकला-संगीत जैसी रचनात्मक शिक्षा से वंचित नहीं रखा जा सकता। मुख्य न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव और न्यायाधीश मुकेश राजपुरोहित की खंडपीठ ने इस मामले में तल्ख टिप्पणी करते हुए सरकार से कहा कि अब बहुत हो गया, अब और इंतजार नहीं किया जाएगा।

यह टिप्पणी एक जनहित याचिका की सुनवाई के दौरान आई, जिसे विमल शर्मा ने दायर किया था। याचिकाकर्ता की ओर से अधिवक्ता तनवीर अहमद ने कोर्ट को बताया कि प्रदेश के करीब 70 हजार सरकारी स्कूलों में कला शिक्षा के लिए विशेषज्ञ शिक्षक ही नहीं हैं। स्थिति यह है कि गणित और विज्ञान पढ़ाने वाले शिक्षक ही बच्चों को संगीत और चित्रकला सिखा रहे हैं।

कोर्ट ने स्पष्ट किया कि शिक्षा का अधिकार कानून के तहत हर स्कूल में कला शिक्षा अनिवार्य है। इसके बावजूद सरकार अब तक न तो कोई ठोस योजना ला सकी है और न ही कला शिक्षकों की भर्ती के लिए कदम उठाए हैं। सरकार की ओर से एक बार फिर समय मांगा गया, जिस पर हाईकोर्ट भड़क गया और कहा, पांच महीने से ज्यादा हो गए, अब तक तो योजना आ जानी चाहिए थी! याचिकाकर्ता की दलीलों में यह भी बताया गया कि कला शिक्षा बच्चों के रचनात्मक और मानसिक विकास के लिए बेहद जरूरी है। इसके अभाव में बच्चों में तनाव, हताशा और हिंसात्मक प्रवृत्तियों का विकास हो रहा है। चिंताजनक बात यह है कि सरकार ने अब तक कला शिक्षा की किताबें तक प्रकाशित नहीं करवाई हैं। हाईकोर्ट इससे पहले भी साफ कर चुका है कि अगर कला शिक्षा अनिवार्य है तो स्कूलों में इसके लिए प्रशिक्षित शिक्षकों की नियुक्ति करना भी सरकार की जिम्मेदारी है। अब कोर्ट ने राज्य सरकार को अंतिम मौका देते हुए जल्द से जल्द कार्ययोजना पेश करने को कहा है। राजस्थान की शिक्षा व्यवस्था को रचनात्मक दिशा देने की उम्मीद अब इस आदेश से जगी है।

तेज रफ्तार बस की टक्कर से साइकिल सवार की मौत

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। लोनी के ट्रोनिका सिटी थाना क्षेत्र स्थित आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर एक बस ने साइकिल सवार युवक को टक्कर मार दी। जिससे युवक की मौके पर मौत हो गई। घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। जिला बागपत गांव घिटोरा निवासी 34 वर्षीय गौरव ट्रोनिका सिटी औद्योगिक क्षेत्र स्थित निजी फैक्टरी में नौकरी करते थे। उनके भाई योगेश ने बताया कि प्रतिदिन की तरह गौरव बुधवार सुबह घर से नौकरी के लिए साइकिल पर जा रहे थे। जब वह आवास विकास कार्यालय के सामने दिल्ली सहारनपुर रोड पर पहुंचे तो पीछे से तेज गति में आ रही बड़ौत डिपो की बस ने साइकिल में टक्कर मार दी। जिससे भाई की मौके पर ही मौत हो गई। आरोप है कि घटना के बाद चालक बस को मौके पर छोड़कर फरार हो गया। लोगों ने मामले की सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मृतक के परिजनों को हादसे की सूचना दी। सीओ लोनी सिद्धार्थ गौतम ने बताया कि बस को कब्जे में लिया गया है।

घर में घुसकर मारपीट और पांच राउंड फायरिंग भी की

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के कादराबाद गांव स्थित श्रीराम गार्डन में मंगलवार रात घर में घुसकर दबंगों ने दो युवकों को मारपीट कर घायल कर दिया। इस दौरान पांच राउंड फायरिंग भी की। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। श्रीराम गार्डन कॉलोनी में रहने वाले संजय कुमार ने बताया कि मंगलवार रात को परिवार के सभी सदस्य घर पर मौजूद थे। करीब दस बजे रिश्तेदारी का एक युवक अपने तीन साथियों के साथ आ गया। संजय का आरोप है कि आरोपी ने पुत्र नितिन के साथ मारपीट शुरू कर दी। जब नितिन को बचाने के लिए भतीजा तुषार आया तो उसके साथ भी मारपीट की गई। दबंगों ने दोनों की बेरहमी से पिटाई कर दी। आरोप है कि जाते समय आरोपियों ने पांच राउंड फायर भी किए। अचानक हुई फायरिंग से अफरातफरी का माहौन बन गया। इस संबंध में मोदीनगर थाने में तहरीर दी है। सीओ मोदीनगर ज्ञानप्रकाश राय ने बताया कि मामले में तहरीर के आधार पर आदित्य निवासी सुचेतापुरी कॉलोनी और दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है।

भोजपुर से निवाड़ी तक सड़क चार लेन करने की मांग

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने लखनऊ में मंगलवार को मुख्यमंत्री से मुलाकात की। इस दौरान गांव भोजपुर से निवाड़ी तक सड़क को चार लेन करने की मांग की है। मोदीनगर/बागपत से सांसद डॉ. राजकुमार सांगवान ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यानाथ से उन्होंने भोजपुर कट से निवाड़ी गंगनहर पुल तक सड़क को चौड़ा करने की मांग की। इस दौरान मुख्यमंत्री को बताया कि यह मार्ग एक्सप्रेसवे और गंगनहर पटरी को जोड़ता है। इस मार्ग पर भारी वाहनों का आवागमन होता है। सड़क चौड़ी होने से क्षेत्र का विकास होगा। सांसद ने बताया कि मुख्यमंत्री ने मामले के संबंध में सकारात्मक आश्वासन दिया है।

पुलिस ने विभिन्न मामलों में सात को किया गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मुरादनगर पुलिस ने विभिन्न मामलों में सात लोगों को गिरफ्तार किया है। एसीपी मसूरी सर्किल ने बताया कि मंगलवार रात को पुलिस को सूचना मिली कि एक मकान में जुआ खेला जा रहा। सूचना के आधार पर पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने अपने नाम हर्ष निवासी सुचेतापुरी गोविन्दपुरी कॉलोनी मोदीनगर, आमिर निवासी गांव रावली कलां, महबूब, अशरफ निवासी मुरादनगर और मनोज निवासी कासिमपुर हापुड़ बताया है। पुलिस ने इनके पास से 4800 रुपये और अन्य सामान बरामद किया गया है। इसके अलावा पुलिस ने अवैध रूप से शराब बेचने वाले सेल्समैन दलजीत सिंह निवासी गांव कर्मपुरा जिला फर्रुखाबाद को पकड़ा है। उसके पास से शराब के 41 पव्वे बरामद हुए। गांव जलालाबाद में तमंचा का दिखाकर लूटपाट करने वाले बदमाश एकल उर्फ सेंटी निवासी गांव जलालाबाद को गिरफ्तार किया गया।

दंपति और पुत्र पर धारदार हथियार से हमला

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷। मोदीनगर के निवाड़ी के गांव खिंदौड़ा में दबंगों ने दंपति और पुत्र पर धारदार हथियार से हमला कर दिया। नामजद रिपोर्ट दर्ज कर पुलिस जांच कर रही। गांव खिंदौड़ा निवासी रवि कुमार ने बताया कि उसकी फोन पर गांव के दिनेश से कहासुनी हो गई थी। मंगलवार रात में रवि घर के बाहर बैठा था, तभी दिनेश और चांद अपने साथियों के साथ आए और गाली-गलौज रवि के साथ मारपीट कर दी। शोर सुनकर पीड़ित के पिता अशोक और मां मुन्नी देवी आ गईं। दोनों ने बीच-बचाव कराने का प्रयास किया। इस पर आरोपियों ने धारदार हथियार से वारकर अशोक का हाथ लहूलुहान कर दिया और मुन्नी देवी को धक्का देकर गिरा दिया। तीनों गंभीर रूप से घायल हो गए।

लोहे की रॉड से हमला कर युवक का सिर फोड़ा

✷ **एनसीआर टुडे. ग्रेटर नोएडा** ✷। जेवर कोतवाली क्षेत्र के कानीगढ़ी गांव में एक युवक के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। बाइक सवार चार आरोपियों ने युवक को राश्ते में रोक कर लोहे की रॉड से हमला कर उसका सिर फोड़ दिया। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। जेवर कोतवाली पुलिस के मुताबिक पीड़ति ब्रजमोहन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज किया गया है। ब्रजमोहन ने पुलिस को बताया कि वह सोमवार को जेवर से पैदल अपने घर की तरफ लौट रहा था। राश्ते में बाइक सवार चार युवकों ने उसे रोक लिया। बिना वजह गाली-गलौज करने लगे। विरोध करने पर लोहे की रॉड से सिर पर हमला कर घायल कर दिया। आसपास मौजूद लोगों ने उसे अस्पताल में भर्ती करवाया। इस मामले में पीड़ति ने आरोपी कुलदीप, सौरभ, गौरव और सूरज के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाया। कोतवाली प्रभारी का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है।

चिकित्सक पर महिला का उपचार नहीं करने का आरोप

✷ **एनसीआर टुडे. गाजियाबाद** ✷

लोनी की महिला मरीज ने बुधवार को सामान्य सर्जन पर उपचार ना देने का आरोप लगाया। निजी केंद्र से महिला के सीने का अल्ट्रासाउंड भी डॉक्टर ने मामने से इनकार कर दिया।

हालांकि चिकित्सक ने जांच रिपोर्ट को संदिग्ध बताते हुए दोबारा जांच कराने की बात कही है। लोनी के मीरपुर हिन्दू निवासी दुष्यंत की पत्नी 20 वर्षीय यशोदा बुधवार को एमएमजी अस्पताल में परिजनों के साथ पहुंची। यशोदा के साथ पति के अलावा सास और ननद भी थी। दुष्यंत ने बताया कि उसकी पत्नी ने चार अप्रैल को बच्चे को जन्म दिया। पिछले एक सप्ताह से यशोदा के सीने में गांठ महसूस हो रही है।

इसके इलाज के लिए वह मंगलवार को लोनी सीएचसी पहुंचे। जहां से उन्हें एमएमजी के लिए रेफर कर दिया गया। एमएमजी में पर्चा बनवाने के बाद सर्जन ने खून की जांच के साथ छाती का अल्ट्रासाउंड लिख दिया। ब्लड़ सैंपल देने के बाद अस्पताल में अल्ट्रासाउंड नहीं होने पर उन्होंने निजी केंद्र से 1500 रुपए में जांच कराई। जांच रिपोर्ट मिलने पर जब वह डॉक्टर को दिखाने पहुंचे तो उन्होंने रिपोर्ट मानने से इनकार कर दिया और दूसरी जगह से जांच कराने को कहा।

उन्होंने डॉक्टर पर उपचार नहीं करने का आरोप लगाया। वहीं, सर्जन डा. मिलिंद गौतम का कहना है कि नवजात बच्चे के दूध पीने की वजह से मां को गांठ बन गई है। लेकिन जांच रिपोर्ट में गांठ में मवाद बताई गई है, जो संदेहास्पद है।

इसी वजह से महिला को एक सप्ताह तक दवा खाने और दोबारा जांच कराने की सलाह दी गई है। महिला के परिजन शिकायत की शिकायत पर चिकित्सक से बात की तो उपचार ना देने का आरोप फर्जी पाया गया। रिपोर्ट पर संदेह होने की वजह से दूसरी जांच कराने का कहा हया है।

डा. राकेश कुमार, सीएमएस,

ऑक्सफोर्ड स्कूल में हाईस्कूल के छात्र सोबान खालिद व इंटरमीडिएट में गौरी त्यागी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया

✷ **एनसीआर टुडे. नहटौर** ✷

ऑक्सफोर्ड पब्लिक सीनियर सेकेण्डरी स्कूल में सीबीएसई नई दिल्ली द्वारा सत्र 2024- 25 कक्षा हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षा परीणाम घोषित कर दिया गया।

जिसमें हाईस्कूल की परीक्षा में होनहार छात्र सोबान खालिद ने 98 प्रतिशत व इंटरमीडिएट में गौरी त्यागी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपनी अपनी कक्षा में प्रथम स्थानप्राप्त किया।

मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड नई दिल्ली हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षा परीणाम घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम घोषित होते ही छात्र छात्राओं के चेहरे खुशी से झूम उठे। हाईस्कूल की परीक्षा में होनहार छात्र सोबान खालिद पुत्र डॉ. खालिद ने 98 प्रतिशत अंक प्राप्त कर कॉलेज टॉप किया।

वहीं इसी कक्षा के वैभव त्यागी पुत्र संदीप कुमार त्यागी ने 91.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय व अभिनव कुमार पुत्र निपेन्द्र सिंह ने 91 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इसके अलावा इंटरमीडिएट की परीक्षा में मानविकी छात्रा गौरी त्यागी पुत्री प्रमोद त्यागी ने 95 प्रतिशत अंक प्राप्त कर स्कूल टॉप किया तथा वाणिज्य की छात्रा जसमिन्दर कौर पुत्री गुरदीप सिंह ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए द्वितीय व पीसीएम से दीपिका रानी पुत्री राजीव कुमार ने 90 प्रतिशत अंक प्राप्त करते हुए स्कूल में तृतीय स्थान प्राप्त किया।

इस अवसर पर स्कूल अध्यक्ष इं आशीष सिंघल ने सभी छात्र - छात्राओं से भविष्य में इसी तरह परिश्रम करने का आह्वान किया व सभी छात्र - छात्राओं बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

पैट्रोल से भरे टैंकर से टकराया ट्रक, बड़ा हादसा होते-होते बचा

एनसीआर टुडे. बिजनौर। शेरकोट में आज एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया सीमेंट से भरा ट्रक आधा उतार कर धामपुर जा रहा था चुंगी नंबर पांच के पास चौराहे से ट्रक मोड़ते समय अचानक पेट्रोल से भरे टैंकर से टकरा गया। पुलिस ने मौके पर पहुंच बड़ा हादसा होने से बचा लिया।

जानकारी के अनुसार नेशनल हाईवे 74 धामपुर काशीपुर मार्ग पर आज सुबह करीब 11:00 बजे सीमेंट उतरकर धामपुर जा रहा ट्रक जिओ पेट्रोल के टैंकर से टकरा गया गर्मी मत रही कि दौरान टैंकर से पेट्रोल लीकेज नहीं हुआ,न किसी वाहन में आग लगी अन्यथा बड़ा हादसा हो सकता था।

मौके पर पहुंचे कोबरा सिपाही हेड कांस्टेबल नीतिन यादव प्रदीप यादव ने सूझबूझ का परिचय देते हुए मौके पर फायर ब्रिगेड की गाड़ी मंगाई तथा उसके बाद हाइड्रो की मदद से दोनों वाहनों को अलग किया। इस बीच सड़क के दोनों और लंबा जाम लग गया, पुलिस दोनों वाहनों को अपने साथ थाने ले गई है।

कूड़ा निस्तारण संयंत्र केंद्र में लगी आग

एनसीआर टुडे. नहटौर। गांव कासमपुर लेखराज के जंगल में गांगन नदी के तटबंध के पास कूड़ा निश्तारण संयंत्र केंद्र बना हुआ है। जिस पर नहटौर नगर का कूड़ा एकत्रित किया जाता है।

बताया जाता है कि कूड़ा निश्तारण संयंत्र केंद्र में पड़े हुए कूड़े के ढेर में अचानक आग लग गई। मंगलवार की सुबह को आग लगे पर हड़कंप मच गया। आग की लपटे व धुंआ देखकर आसपास के किसान भी कूड़ा निश्तारण संयंत्र केंद्र पर पहुंच गए।

डीएम ने चकबंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अपने दायित्वों के निर्वहन के प्रति किसी भी स्तर पर लापरवाही न करें

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

जिलाधिकारी जसजीत कौर ने चकबंदी कार्य में शिथिलता भारत में पर नाराजगी व्यक्त करते हुए दो लेखपालों तथा एक कानूनगो का वेतन रोकने, एक लेखपाल को चेतावनी जानी करने तथा एक चकबंदी अधिकारी तथा सहायक संबंधी अधिकारी का भी स्पष्टिकरण तलब करने के निर्देश एसओसी चकबंदी को दिए।

उन्होंने सभी चकबंदी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को निर्देश दिए कि अपने दायित्वों के निर्वहन के प्रति किसी भी श्तर पर लापरवाही न करें और कार्य पूर्ण समयबद्वता एवं पारदर्शिता के साथ संपन्न करें। उन्होंने स्पष्ट करते हुए कहा कि माह मई,2025 के अंत तक चकबंदी प्रक्रिया अधीन सभी गांव धारा-7 से शत प्रतिशत रूप से बाहर आने चाहिए।

उन्होंने एसओसी चकबंदी को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी सीओ, ऐसीओ एवं कानूनगो के कार्यों की प्रगति प्रतिदिन समीक्षा करें और जिस श्तर पर भी लापरवाही होना प्रकाश में आए उनके विरुद्ध तत्काल कार्यवाही अमल में लाएं।

जिलाधिकारी श्रीमती कौर आज शाम 04:00 बजे कलेक्ट्रेट सभागार में चकबंदी कार्यों की प्रगति की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए निर्देश दे रहीं थी।

उन्होंने चकबंदी अधिकारीयों को निर्देशित करते हुए कहा कि शासन श्तर से चकबंदी कार्यों की मॉनिटरिंग की जाती है, इसलिए उक्त कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें और सभी कार्य समयबद्वता के साथ पूर्ण करना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी चकबंदी अधिकारियों को निर्देशित किया कि 05 वर्ष या उससे अधिक वर्षा के वादों के निश्तारण को प्राथमिकता देते हुए निश्चित दायरे के अंतर्गत वादों का निश्तारण में तेज़ी लाएं और ज़्यादा से ज़्यादा वादों एवं आपत्तियों का निश्तारण करना सुनिश्चित करें तथा इस कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतें।

उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि 1359 फसली से उसका मिलान करने के बाद ही कार्य प्रारंभ करें उन्होंने पड़ताल प्रक्रियाधीन तथा क़ब्ज़ा तब्दीली करने वाले गांवों को माह मई के अंत तक पूरा करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी न्यायिक वान्या सिंह, एसओसी चकबंदी संजय कुमार शर्मा, सीओ, एसीओ, कानूनगों, लेखपाल सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

मेहनत रंग लाई ग्रेट इंडियन एकेडमी की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंकों से किया टॉप

एनसीआर टुडे. झालू। सी-बी एस ई के द्वारा कक्षा 10 का परीक्षा परिणाम मंगलवार अपराह्न को घोषित किया गया। सी बी एस ई के द्वारा घोषित हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर से उत्कर्ष प्रति प्रदर्शन किया। परीक्षा परिणाम देखकर सभी विद्यार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे उनकी साल भर की मेहनत रंग लाई। सभी छात्र-छात्राओं ने श्रेष्ठ अंक प्राप्त कर अपने विद्यालय का तथा अपने माता-पिता का नाम रोशन कर उनका मान बढ़ाया।

कक्षा 10 की छात्रा अक्षी चौधरी ने 92.8% अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। पायल सिंह ने 89.8% अंक प्राप्त कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। खुशी चौधरी ने 85.6% अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त कर विद्यालय का नाम रोशन किया। विद्यालय के प्रबंधक श्री गौरव डाबरा, प्रधानाचार्य श्री मुकुल शर्मा, उप- प्रधानाचार्या श्रीमती दीक्षा डाबरा, एकेडमिक डीन मिस्त्र आयुष अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं और शिक्षकों की मेहनत की सराहना करते हुए कहा 'यह परिणाम हमारे शिक्षकों के समर्पण और विद्यार्थियों की निरंतर मेहनत का फल है।' साथी सभी बच्चों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

कोटद्वार लाइन पर ट्रेन से युवक के दोनों पैर कटे

✷ **एनसीआर टुडे. नजीबाबाद** ✷

कोटद्वार रेलवे लाइन पर ट्रेन से युवक के दोनों पैर कट गए। जिसको देखने के लिए लोगों की भारी भीड़ जमा हो गई, घटना से परिजनों में कोहराम मच गया तुरंत दौड़कर घटना स्थल पहुंचे।

मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल ले जाया गया। जहां से हालत गंभीर देखते हुए बिजनौर सरकारी अस्पताल रेफर किया गया। नजीबाबाद मे मंगलवार को करीब 9:30 बजे भारत टॉकीज के पास कोटद्वारा ट्रेन से एक व्यक्ति के दोनों पैर कटे गए, घटना की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस पुलिस द्वारा घायल मोहम्मद अखलाक को समीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से हालत गंभीर देखते हुए बिजनौर सरकारी अस्पताल रेफर किया गया। बता दें कि ट्रेन से मोहम्मद अखलाक के दोनों पैर कट गए मोहम्मद अखलाक उम्र 40 वर्ष है जो निवासी मोहल्ला मुगलू शाह पिता का नाम छुन्नू है। मौके पर पहुंची पुलिस द्वारा घायल मोहम्मद अखलाक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र समीपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां से हालत गंभीर देखते हुए जिला बिजनौर अस्पताल रेफर किया गया। परिजनों ने जानकारी देकर बताया कि मोहम्मद अखलाक राज मजदूरी करता है उसकी शादी हो गई है, उसके लगभग 1 वर्ष का बच्चा भी है घटना से पूरे मोहल्ले वासी और घर वाले काफी परेशान नजर आ रहे हैं।

बकाया जमा ना करने पर कनेक्शन काटने गयी टीम पर किया चाकू से हमला

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

बिजली विभाग द्वारा एक अभियान चलाया जा रहा है बकाया दारो के लिए ।जिसने अपना बिल नहीं जमा किया है तो उसको लेकर के आज बिजली विभाग के द्वारा एक टीम मोहल्ला जाटान में पहुंची जैसे ही टीम एक बकायादार पर पहुंची।

टीम ने उसका कनेक्शन काटने की बात की तो उसने उसे टीम के दो बिजली कर्मचारियों पर चाकू से हमला कर दिया।

बिजनौर जनपद में आज उस समय बिजली विभाग में हड़प्पा मच गया जब बिजली विभाग से बकाया दारो पर वसूली के लिए टीम जाटान मोहल्ले में पहुंची ।जिस किसी ने बिल जमा नहीं किया था उनको चेतावनी यह दी जा रही थी कि जल्द से जल्द बिल जमा कर दें। वरना कनेक्शन काट दिया जाएगा ।बिजली विभाग की टीम से जब एक उपभोक्ता के पास गई तो उस उपभोक्ता ने बिजली विभाग के कर्मचारियों पर चाकू से बार कर दिया और घर से फरार हो गया।

सूचना पर पहुंची पुलिस ने बिजली कर्मचारियों को मेडिकल के लिए भेज दिया है और हमलावर की तलाश की जा रही है। यह बताया जा रहा है कि उपभोक्ता का कनेक्शन काटने की बात चली डिपार्टमेंट की टीम कर रही थी इस बात को लेकर के उपभोक्ता ने चाकू से बार कर दिया।

चांदपुर पुलिस ने 4 लाख 85 कीमत की चोरी का किया खुलासा

3 कुंतल तार, बोलेरो पिकअप सहित 3 गिरफ्तार

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

चांदपुर पुलिस ने थाना अध्यक्ष संजय कुमार तोमर के नेतृत्व बड़ी कामयाबी हासिल करते हुए करीब 4 लाख 85000 कीमत की ऑप्टिकल फाइबर केबल चोरी के मामले का खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से तीन कुंतल अल्युमिनियम तार, एक तार कटर, दो लोहे के एंगल और एक होंडा मोटरसाइकिल बरामद की है। यह मामला तब सामने आया जब सोनू कुमार ने 27 मार्च को थाने में चोरी की शिकायत दर्ज कराई थी।

पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तेजी से जांच शुरू की। पुलिस को मुखबिर के जरिए सूचना मिली की चोरी में शामिल आरोपी पीपलसाना नर्सरी के पास मौजूद है।

सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दाबिश दी और तीनों आरोपियों सुरेंद्र निवासी जसवंतपुर, अनीस निवासी शाहपुर और शाहरुख निवासी हीमपुर बुजुर्ग को पकड़ लिया। पूछताछ में सुरेंद्र ने खुलासा किया कि वह बिजली का काम जानता है और उसी ने सदनपुर से महदूद के बीच लगे पोल से तार काटे थे। चोरी किए गए तार को बेचने के लिए शाहरुख के गोदाम से किराए की बोलोरो पिकअप में ले जाया जा रहा था। लेकिन राश्ते में नूरपुर रोड पर वाहन खराब हो गया और जैसे ही ड्राइवर गाड़ी ठीक कराने गया। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर तीनों को दबोच लिया। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक होंडा मोटरसाइकिल भी बरामद की है जिसके कागजात नहीं दिखा सके पुलिस अब मोटरसाइकिल की जांच कर रही है। कहीं वह भी चोरी की तो नहीं है। थानाध्यक्ष संजय कुमार तोमर ने कहा कि चोरी के इस मामले में शामिल अन्य लोगों की भी तलास की जा रही है। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है और जो भी इसमें सलिप्त होंगे उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पीड़ित किसानों का उत्पीड़न बिल्कुल नहीं करेंगे बर्दाश्त: शेख जाकिर हुसैन

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

बिजनौर के ग्राम इनामपुरा थाना मंडावर मे गुलदार द्वारा ग्रामीणों पर हमला किया गया था जिसमें ग्रामीणों ने गुलदार को जिंदा पड़कर वन विभाग को सौपा लेकिन वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उल्टा पीड़ित लोगो पर ही गुलदार को मारने का आरोप लगाया गया एवं दो लोगो को गिरफ्तार किया तथा दर्जनों बेकुसर लोगो पर मुकदमे दर्ज किये गये।

जिसकी जानकारी होने पर समाजवादी पार्टी के जिलाध्यक्ष शेख जाकिर हुसैन अपने साथियो सहित वन विभाग के कार्यालय पर चल रहे किसानो के धरने को समर्थन देने पहुंचे व पीड़ति किसानों से मुलाकात की ज़लिा अध्यक्ष ज़ाकिर हुसैन ने कहा कि वन विभाग के अधिकारीयों द्वारा पीड़ति लोगो का उत्पीड़न किया जा रहा है। हम प्रशांसन से मांग करते है।

पीड़ित परिवार के लोगो को इंसाफ मिले ऐसे अधिकारी जो माहौल ख़राब करने का काम करते है उनके खिलाफ कठोर कार्यवाही की जाए। जो बेकसूर गिरफ्तार किए गए उन्हें छोड़ा जाए और हमारे जनपद बिजनौर मे गुलदार के हमले से कई लोगो की जाने जा चुकी है लेकिन अभी तक प्रशासन ने कोई भी कार्यवाही नहीं की वन विभाग के अधिकारियों की नज़र में जनता कि जान की कोई कीमत नही गुलदार को कुछ होता है तो बेकसुर लोगो पर मुकदमे लगाए जाते है।

हम जिला प्रशासन से मांग करते हैं की जल्द से जल्द बेकसुर लोगो के मुकदमे वापस हों तथा जो बेकसूर लोगो की गिरफ्तारी की गई है उन्हें तुरंत छोड़ा जाए।

मालूम हो कि हमलावर गुलदार को ग्रामीणों द्वारा काफी गम्भीर स्थिति में वन विभाग को सौंपा गया था जिसके कई दांत भी टूटें हुए थे विभाग द्वारा इलाज कराने के दौरान तीसरे दिन गुलदार ने दम तोड़ दिया जिसके बाद वन्यजीव सुरक्षा अधिनियम के तहत ग्रामीणों के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया है जिसके विरोध में ग्रामीणों ने वन विभाग कार्यालय पर पहुंचकर धरना प्रदर्शन किया।

घायल कन्डेक्टर की जान बचाने को दोनों पैर काटे

✷ **एनसीआर टुडे. बिजनौर** ✷

दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हुए बस कंडक्टर के दोनों पर उसकी जान बचाने के लिए डॉक्टर को काटने पड़ गए, क्योंकि हादसे में घायल हुए कंडक्टर के दोनों पैर बुरी तरह से कुचल गए थे। मोहल्ला धामपुर के मौहल्ला बदुंकचियान निवासी रईस पुत्र मुन्ना सैफी प्राइवेट बस पर कन्डेक्टरी करता है बस धामपुर से बारात लेकर बिजनौर गई थी।

बिजनौर से बारात लेकर बस वापस लौट रही थी बताया गया है कि जब बस नहटौर मार्ग पर गांव कश्मीरी के पास पहुंची तो अचानक बस के गेट से कंडक्टर रईस नीचे गिर गया उसके दोनों पर बस के पिछले पहियों के नीचे आ गए गंभीर रूप से घायल रईस को इलाज के लिए एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां पर चिकित्सकों को उसकी जान बचाने के लिए उसके दोनों पैर काटने पड़ गए।

प्रधान पुत्री रूमाईशा ने 95% अंक पाकर किया कॉलेज को टॉप

एनसीआर टुडे. अफ़ज़लगढ़। सीबीएसई बोर्ड की हाई स्कूल व इंटरमीडिएट की परीक्षाफल घोषित होने पर ग्राम मानियावाला की ग्राम प्रधान की बेटी ने उत्तराखंड के एक स्कूल में सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट की परीक्षा में स्कूल में प्रथम स्थान प्राप्त परचम लहराया। प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार को सीबीएसई बोर्ड के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट का परीक्षाफल घोषित होने पर ब्लॉक क्षेत्र के ग्राम मानियावाला की ग्राम प्रधान शाहीन परवीन की बेटी रूमाईशा पुत्री तसव्वर कुरैशी वैली ऑफ फ्लावर स्कूल जसपुर उत्तराखंड की छात्रा ने सीबीएसई बोर्ड इंटरमीडिएट में 95% अंक प्राप्त कर स्कूल टॉप कर उसने अपने गांव व परिजनों का नाम रोशन किया।

संपादकीय

सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न समस्त मत पंथ विश्व में शांति चाहते हैं

भारत में सनातन हिंदू धर्म तो अनादि एवं अनंत काल से चला आ रहा है परंतु बाद के खंडकाल में भारत में कई अन्य प्रकार के मत पंथ भी विकसित हुए हैं जैसे बौद्ध धर्म, जैन धर्म, सिख धर्म आदि। भारत में विकसित विभिन्न मत पंथ मूलतः सनातन हिंदू संस्कृति का ही अनुपालन करते हुए दिखाई देते हैं और ऐसा कहा जाता है कि यह समस्त मत पंथ सनातन हिंदू धर्म की विभिन्न धाराएं ही हैं। भारत में विकसित मत पंथ सामान्यतः अपने दर्शन, कर्मकांड एवं सामाजिक ताने बाने के दायरे में अपने धर्म का अनुपालन करते हैं। भारत में हिंदू धर्म के सिद्धांतों पर चलने वाले नागरिकों की संख्या सबसे अधिक है एवं यह धर्म का सबसे बड़ा धर्म है, जिसमें विभिन्न देवी देवताओं और पूजा प्रथाओं की एक विस्तृत प्रणाली शामिल है।

भारत में विकसित हुए मत पंथों में बौद्ध धर्म की उत्पत्ति भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के आधार पर हुई है। यह शिक्षाएं मानव जीवन से दुःख और उसके कारणों को दूर करने के सम्बंध में हैं। बौद्ध धर्म में ध्यान, प्रेम एवं करुणा पर जोर दिया जाता है। बौद्ध धर्म में कर्मकांड के महत्व को भी रेखांकित किया गया है परंतु इसका उद्देश्य ईश्वर की आराधना नहीं बल्कि मोक्ष की प्राप्ति करने से है। भारत में ही विकसित दूसरे महत्वपूर्ण मत पंथ, जैन धर्म में अहिंसा, आत्म संयम, सत्य एवं ईमानदारी पर अधिक जोर दिया जाता है। जैन धर्म में ऐसा माना जाता है कि मोक्ष की प्राप्ति स्वयं के प्रयासों से ही सम्भव है। भारत में ही विकसित तीसरा महत्वपूर्ण मत पंथ है सिख धर्म जिसकी स्थापना श्री गुरु नानक देव जी ने की थी। सिख धर्म ईश्वर में विश्वास, सेवा, समानता एवं सत्यनिष्ठा पर आधारित है। सिख धर्म में ईश्वर की उपासना की जाती है परंतु यह उपासना कर्मकांड से परे हैं। भारत की सनातन हिंदू संस्कृति को पूरे विश्व में अति प्राचीन संस्कृति के रूप में देखा जाता है। मूल रूप से भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में आध्यात्म का विशेष महत्व है जिसके अंतर्गत "वसुधैव कुटुंबकम", "सर्वजन हिताय सर्वजन सुखाय", "विश्व का कल्याण हो", "किसी भी जीव का अहित न हो" जैसे भावों पर अमल करने का प्रयास किया जाता है। भारत में चूंकि मनुष्य के साथ साथ जीव जंतुओं, नदियों, पहाड़ों, पेड़ पौधों एवं जंगलों, आदि में भी ईश्वर का वास माना जाता है इसलिए किसी भी जीव को कोई क्षति न हो इस भावना को न केवल आगे बढ़ाया जाता है बल्कि इस सिद्धांत पर अमल भी किया जाता है। इसीलिए भारत मूलतः शांतिप्रिय देश माना जाता है तथा भारत में हिंसा के लिए तो कोई जगह ही नहीं है। भारत के धर्मग्रंथों में भी जाने अनजाने में भी की गई जीव हत्या को पाप की संज्ञा दी गई है।

सनातन हिंदू संस्कृति के ग्रंथों, उपनिषदों, आदि द्वारा काम, कर्म एवं अर्थ को धर्म के साथ जोड़कर ही सम्पन्न करने के उपदेश दिए जाते हैं। उदाहरण के लिए, महाभारत में वेद व्यास जी ने धर्म के आठ तरीके बताए हैं-(i) यज्ञ-जिसका आशय है कि ऐसा कर्म जो समाज के लाभ के लिए किया जाता है। (ii) दान-समाज की सहायता करना। (iii) तप-अर्थात स्वयं में सुधार करते रहना, स्वयं का मूल्यांकन करना तथा नकारात्मक गुणों को दूर कर सकारात्मक गुणों का विस्तार करना। (iv) सत्य-सत्य के मार्ग पर चलना। (v) क्षमा-दूसरों तथा स्वयं को गलतियों के लिए क्षमा करना। (vi) दंभ-इंद्रियों को वश में रखना। (vii) आलोभ-लालच नहीं करना एवं लालच में न आना। (viii) अध्ययन-स्वयं और दुनिया का अध्ययन करना। सनातन हिंदू धर्म एवं भारत में उत्पन्न मत पंथों के अनुयायी सामान्यतः धर्म के उक्त वर्णित आठ तरीकों पर चलने का प्रयास करते पाए जाते हैं। भारत में इस राह पर चलकर उन्हें समाज में शांति पूर्वक रहने की प्रेरणा मिलती है एवं अंततः उन्हें मोक्ष की प्राप्ति होती है। इसके साथ ही, विश्व के अन्य देशों में विकसित मत पंथों का अनुसरण करने वाले नागरिक भी भारत में पर्याप्त मात्रा में निवास करते हैं जैसे यहूदी, ईसाई एवं इस्लाम के अनुयायी, आदि। विश्व के अन्य भागों में विकसित उक्त वर्णित मत पंथों को सेमेटिक रिलिजन की श्रेणी में रखा जाता है क्योंकि इनकी साझा उत्पत्ति एवं कुछ सामान्य अवधारणाएं होती हैं, जैसे एक ही ईश्वर में विश्वास, नैतिकता एवं कर्मकांड। यहूदी धर्म एक धर्मग्रंथ (ताल्मुद) पर आधारित है। इस धर्मग्रंथ में यहूदी लोगों की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को दर्शाया गया है। यहूदी धर्म सेमेटिक धर्म की श्रेणी में आता है क्योंकि इसमें एक ईश्वर (येहव) में विश्वास, अनुष्ठान एवं नैतिक नियमों का पालन किया जाता है। ईसाई धर्म ईसा मसीह की शिक्षाओं पर आधारित है, जो एक ईश्वर में विश्वास एवं ईसा मसीह के द्वारा उद्धार करने एवं उनके द्वारा ही मोक्ष करने पर जोर देता है। इसी प्रकार इस्लाम भी पैगंबर मुहम्मद साहब की शिक्षाओं पर आधारित है, जो कि एक ईश्वर (अल्लाह) में विश्वास एवं कुरान का पालन करने पर जोर देता है।

भारत में उत्पन्न विभिन्न धर्मों एवं मत पंथों में ईश्वर की अवधारणा विविध है, परंतु सेमेटिक धर्मों में केवल एक ईश्वर में ही विश्वास किया जाता है। भारतीय मत पंथों में कर्मकांड का महत्व कम है, जबकि सेमेटिक धर्मों में कर्मकांड की महत्वपूर्ण भूमिका रहती है। भारतीय मत पंथों में मोक्ष की प्राप्ति के विभिन्न मार्ग उपलब्ध हैं जिन पर चलकर मोक्ष की प्राप्ति की जा सकती है परंतु सेमेटिक धर्मों में मोक्ष की प्राप्ति केवल ईश्वर की कृपा से ही सम्भव है। भारतीय मत पंथों में विविध सामाजिक संरचना रहती है जबकि सेमेटिक धर्मों में एक समान सामाजिक संरचना रहती है एवं इसमें विविधता का अभाव है। भारत में उत्पन्न धर्मों एवं मत पंथों में तथा सेमेटिक धर्मों में सामाजिक संरचना एवं दर्शन भी अलग अलग है। भारत के बारे में यह कहा जाता है कि यहां विविधता में भी एकता दिखाई देती है क्योंकि आज भारत में विभिन्न धार्मिक आस्थाओं एवं विभिन्न धर्मों की उपस्थिति तथा उनकी उत्पत्ति तो दिखाई ही देती है, साथ ही, व्यापारियों, यात्रियों, आप्रवासियों, एवं यहां तक कि आक्रमणकारियों द्वारा भी यहां लाए गए धर्मों को आत्मसात करते हुए उनका सामाजिक एकीकरण दिखाई देता है। सभी धर्मों के प्रति हिन्दू धर्म के आतिथ्य भाव के विषय में जॉन हार्डन लिखते हैं, "हालांकि, वर्तमान हिन्दू धर्म की सबसे महत्त्वपूर्ण विशेषता उसके द्वारा एक ऐसे गैर-हिन्दू राज्य की स्थापना करना है जहां सभी धर्म समान हैं...।"

पूरे विश्व में संभवतः केवल भारत ही एक ऐसा देश है जहां धार्मिक विविधता एवं धार्मिक सहिष्णुता को समाज द्वारा मान्यता प्रदान की जाती है। सनातन हिंदू संस्कृति में धर्म को महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। भारतीय नागरिक स्वयं को किसी न किसी धर्म से सम्बंधित अवश्य बताता है। इसी के चलते, भारतीय नागरिक विश्व के किसी भी कोने में चला जाय परंतु अपनी संस्कृति को छोड़ता नहीं है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि वैश्विक श्तर पर आज की परिस्थितियों की बीच केवल भारतीय सनातन संस्कृति के माध्यम से ही पूरे विश्व में एक बार पुनः शांति स्थापित की जा सकती है।

मोदी-उद्बोधन जागृत राष्ट्र के हौसलों की उड़ान

ललित गर्ग

ऑपरेशन सिंदूर, पाकिस्तान के जवाबी हमले तथा युद्ध विराम के बाद राष्ट्र के नाम संबोधन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कड़े एवं स्पष्ट शब्दों में न केवल पाकिस्तान को चेताया बल्कि उसको उसकी जमीन भी दिखायी।

उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ़ भारत की प्रखर एवं प्रभावी नीति को पूरी दुनिया के सामने बड़ी स्पष्टता और दृढ़ता के साथ रखा। उनका संबोधन न केवल भारत की भावना की अभिव्यक्ति है, बल्कि यह हमारे देश के सैन्य, कूटनीतिक, नैतिक बल की प्रश्तुति एवं दो सौ अस्सी करोड़ तनी हुई मुट्ठियों की चेतावनी भी है। यह कोरा उद्बोधन नहीं, बल्कि एक जागृत राष्ट्र के साहस एवं हौसलों की उड़ान है।

ऑपरेशन सिंदूर की सफलता ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में नई लकीर खींची और नये पैमाने तय किये। पाकिस्तान की समझौते की गुहार को भी सुना, एक बड़े मकसद और व्यापक हित में भारत ने शांति की राह चुनी। पहले से ही युद्धों में उलझे विश्व के लिए भारत का यह कदम आशा एवं उम्मीद की बहुत बड़ी किरण है। लेकिन पाकिस्तान पर एक्शन सिर्फ स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं। 22 मिनट का यह संबोधन पाकिस्तान के लिये एक सीख भी है और सबक भी। साथ ही यह एक विशाल एवं विराट इतिहास को समेटे हुए नये भारत के नये संकल्पों की सार्थक प्रश्तुति है।

प्रधानमंत्री मोदी ने यह भी साफ़ कर दिया है कि भविष्य में अगर पाकिस्तान से कभी बात होगी तो केवल आतंकवाद और पीओके पर ही बात होगी। उन्होंने कड़े शब्दों में चेतावनी देते हुए कहा कि टेरर और टॉक, टेरर और ट्रेड एक साथ नहीं हो सकते। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारतीय सेनाओं के शौर्य और पराक्रम की भी उन्होंने खुल कर सराहना की एवं वीरगाथा सुनाई है। भारतीय सेनाओं पर जहां पूरे देश को नाज है, वहीं प्रधानमंत्री के सशक्त नेतृत्व पर समूचे देश को भरोसा है और आज हमारा देश समृद्धशाली और शक्तिशाली होने के साथ ही विकसित भारत के रूप में तेजी से उभर रहा है। प्रत्येक भारतीय की सुरक्षा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आतंकवाद के समूल नाश के लिए हमारी सरकार कटिबद्ध है। सिंदूर पोंछने का अंजाम अब हर आतंकी को पता चल गया है। मोदी ने साफ किया कि अब वो दौर चला गया जब भारत परमाणु हमले के नाम पर ब्लैकमेल होता था। अब अगर फिर से हमला हुआ तो पाकिस्तान व आतंकवादियों को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। आतंक की जड़ों पर फिर से प्रहार किया जाएगा और इस बार का प्रहार विनाशकारी एवं विध्वंसक होगा।

पाकिस्तान द्वारा पोषित एवं पल्लवित आतंकवाद उसी के सर्वनाश का कारण बनेगा। पाक को बचना है तो उसे आतंकी ढांचे नष्ट करने होंगे। उन्होंने कहा कि हमारी मिसाइले एवं ड्रोन ने पाक में न सिर्फ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया बल्कि इसके साथ सौ से अधिक खुंखार आतंकियों को भी मार गिराया।

पाक में आतंकवादियों के लिये जो जगह एवं संवेदनाएं हैं, उसको दुनिया ने भी देखा। भारत की सर्जिकल स्ट्राइक में मरे दुर्दांत आतंकवादियों को अंतिम विदाई देने को पाक सेना के बड़े अधिकारी उतावले थे। पिछले तीस में पाकिस्तान ने आतंकवाद की फसल को सींचने के लिये जो संरचना अपने देश में तैयार की है, उससे निकले आतंकवादियों ने भारत को ही बार-बार लहूलुहान नहीं किया बल्कि ब्रिटेन तथा अमेरिका के 9/11 जैसे हमलों को दुनिया के दूसरे हिस्सों में अंजाम दिया है। मोदी ने स्पष्ट किया कि पहलगाम आतंकी हमले में धर्म पूछकर निर्दोष पर्यटकों की हत्या करने वाले आतंकवादी भारतीय समाज के साम्प्रदायिक सौहार्द एवं समरसता को नुकसान पहुंचाने में पूरी तरह विफल रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने साहस एवं निर्भीकता से पाक की आतंकी मानसिकता को दुनिया के सामने उजागर किया। आतंक की सरपरश्त सरकार और आतंक के आकाओं को अलग-अलग नहीं देखा जाएगा। बुद्ध पूर्णिमा के दिन देश को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने साफ किया है

कि यह युग युद्ध का नहीं है, लेकिन आतंकवाद का भी नहीं है। भारत सदियों से बुद्ध की संस्कृति व विचारों का पक्षधर रहा है।

लेकिन शांति का राश्ता शक्ति के राशते से ही होकर जाता है और भारत ने अपनी शक्ति को दिखाते हुए न केवल पाकिस्तान को पश्त किया बल्कि दुनिया को चौंकाया भी है। बिना लाग-लपेट के प्रधानमंत्री ने साफ किया कि भारतीय शांति की नीति को कमजोरी न माना जाए, वक्त आने पर हम शक्ति दिखाने से भी नहीं चूकेंगे। अंधेरों को चीर कर उजाला की ओर बढ़ते भारत की महान यात्रा के लिये सबके जागने, संकल्पित होने एवं आजादी के अमृतकाल काल को अमृतमय बनाने के लिये दृढ़ मनोबली एवं सकारात्मक होने का आह्वान है। मोदी ने भारतीय वैज्ञानिकों की मेधा को सराहते हुए कहा कि सर्जिकल स्ट्राइक ने बता दिया है कि भारत आधुनिक तकनीक से युद्ध के लक्ष्यों को हासिल करने में सक्षम है।

भारत ने स्वदेशी प्रयासों व आत्मनिर्भरता के संकल्प के साथ देश को सुरक्षा कवच देने में कामयाबी हासिल की है। ये तकनीकें इक्कीसवीं सदी की सामरिक चुनौतियों का मुकाबला करने में सक्षम हैं। पाक द्वारा विश्व शक्तियों से हासिल मिसाइलों व ड्रोन को भारतीय वायु प्रतिरक्षा तंत्र ने जिस तरह नाकाम किया, उसने भारत के रक्षा उत्पादों की विश्वसनीयता पर मोहर लगाई है।

हम न्यू इरा के वारफेयर मानकों की कसौटी पर खरे उतरे हैं। जो मेड इन इंडिया हथियारों की विश्वसनीयता को वैश्विक श्तर पर स्थापित करेगा। हमें आने वाले कल के लिए संघर्ष करना है। हमें विश्व की ओर ताकने की आदत छोड़नी होगी, राजनीतिक संकीर्णता से भी ऊपर उठना होगा, जिन्हें भारत पर विश्वास है, अपनी संस्कृति, अपनी बुद्धि और विवेक पर अभिमान है, उन्हें कहीं अंतर में अपनी शक्ति का भान है, वे जानते हैं कि भारत आज पीछे पीछे चलने की मानसिकता से मुक्ति की ओर कदम बढ़ा चुका है और ये स्थितियां हमने पाक के खिलाफ एक्शन में देख ली है।

मोदी ने भारतीय समाज में एकजुटता को अपरिहार्य बताया और कहा कि जब हमारी संप्रभुता और नागरिकों के जीवन पर संकट आएगा तो मुंहतोड़ जवाब जरूर दिया जाएगा। उन्होंने देश के लोगों को भरोसा दिलाया कि भारतीय सेना और सुरक्षा बल किसी भी चुनौती के मुकाबले के लिये तैयार हैं। तब तक तैयार रहेंगे जब तक आतंक के अड्डे खंडहरों में तब्दील नहीं हो जाते। सीमाओं पर शांति इस बात पर निर्भर करेगी कि पाक आतंकवाद को लेकर क्या रवैया अपनाता है। उन्होंने देश की माता-बहनों और बेटियों को आश्वशत किया कि सरकार का ऑपरेशन सिंदूर उनकी अस्मिता व सुरक्षा के लिये समर्पित था। उस पर किसी कीमत पर आंच नहीं आने दी जाएगी। यह उद्बोधन भारत की भावी सुरक्षित एवं सशक्त दशा-दिशा रेखांकित करते हुए उसे विश्व की महाताकत बनाने का आह्वान है। यह शांति का उजाला, समृद्धि का राजपथ, उजाले का भरोसा एवं महाशक्ति बनने का संकल्प है।

मोदी ने अपने इस संबोधन से अनेक निशाने साधे हैं। उनके अनुसार 2047 तक विकसित मुल्क बनाने के लिए पूरी जी-जान लगाकर दौड़ना होगा। पाक एवं क्षेत्रीय अस्थिरता इसमें बड़ी बाधा है, और भारत ने फिलहाल इसका इलाज कर दिया है। पाकिस्तान तक सख्त संदेश पहुंच चुका है। इस टकराव के आगे न बढ़ने और भारत के फिर से अपने लक्ष्य की ओर चलने से विश्व राजनीति एवं आर्थिक विकास में नई आशा का संचार हुआ है। मोदी के पाक के खिलाफ एक्शन को स्थगित करने की खुशखबरी के साथ दुनिया में दो बड़ी सकारात्मक खबरे भी आशा की किरण बनी। एक आशा की किरण है अमेरिका और चीन के बीच जारी टैरिफ वॉर का टल जाना, दूसरी किरण तीन साल से ज्यादा समय से युद्ध में उलझे रूस और यूक्रेन में सुलह के लिये दोनों देशों के बीच पहली बार सीधी बातचीत होना।

यूक्रेन युद्ध, टैरिफ वॉर और भारत-पाक तनाव ने दुनिया को गंभीर संकट में डाल दिया था। तीनों मोर्चों पर आई सकारात्मक खबरों का असर भारत सहित दुनिया के शेयर बाजारों में आया उछाल है। इनके चलते भारत में नीतिगत स्थिरता, बेहतर समन्वय और ईज आफ डूइंग बिजनेस की स्थिति भी पुनः रफ्तार पकडेगी।

ताजा घटनाक्रम से भारत एक आत्मविश्वासी, आत्मनिर्भर एवं सशक्त राष्ट्र के रूप में प्रतिष्ठित हुआ है।

पहलगाम के हत्यारों तक कब पहुंचेगा भारत!

डॉ. श्रीगोपाल नारसन

भारत-पाकिस्तान के बीच 19 दिनों तक हुई जंग में भारत ने सौ से अधिक आतंकियों व 40 पाकिस्तानी सैनिकों को मार गिराने में तो सफलता हासिल की है लेकिन जिन 4 आतंकियों ने पहलगाम में 26 निर्दोष पर्यटकों को गोली बरसाकर मार डाला था, उन आतंकियों को कब दंड मिलेगा, यह सवाल हर भारतीय के जहन में है। कम से कम युद्ध विराम समझौते में पाकिस्तान के सामने पहलगाम के हत्यारों को भारत को सौंपने की शर्त रखी जाती तो उन परिवारों को सब्र मिल जाता जिनके परिवार के लोग बेमौत मारे गए है।

जबकि भारतीय सेना का देश के प्रति समर्पण इस कदर है कि सैनिक अपनी शादी के जश्न को छोड़कर भी युद्ध भूमि में गए है। बक्सर जिले के नंदन गांव में फौजी त्यागी यादव की शादी 7 मई को प्रिया कुमारी से हुई है, लेकिन अगले ही दिन 8 मई को उनके लिए भारतीय सेना से ड्यूटी का बुलावा आ गया, क्योंकि भारत-पाक सीमा पर बढ़ते तनाव के कारण सभी सैनिकों की छुट्टियां रद्द कर दी गईं थी।

त्यागी ने तुरंत वर्दी पहनी और दुल्हन को घर पर छोड़कर देश की सेवा में निकल पड़े। हालांकि उन्होंने शादी के लिए खासतौर पर छुट्टी ली हुई थी, लेकिन जब देश की सुरक्षा के लिहाज से हालात गंभीर हैं तो ऐसे में निजी जीवन से बड़ा कर्तव्य देश के प्रति बन जाता है, जिसका पालन उन्होंने किया है। यह सोच सिर्फ इस भारतीय सैनिक की ही नही बल्कि देश के सभी सैनिकों के साथ साथ आम भारतीय नागरिक भी पाकिस्तान को करारा जवाब देने के लिए लालायित है।

भारत के वीर सैनिक पाकिस्तान के हर हमले का जवाब देकर उसे न सिर्फ नाकाम कर रहे है बल्कि जवाबी हमले में उसे बर्बाद भी कर रहे है। लेकिन तभी चालबाज पाकिस्तान घुटने टेक देता है और सीज फायर का प्रशताव रखता है, भारतीय सैनिकों के ऊंचे हौंसलो व देश की जनता के आर पार की लड़ाई के सपनो के बीच थमी युद्ध की रफ्तार के मात्र 3 घण्टे बाद ही फिर झूठे पाकिस्तान ने सीज फायर का उल्लंघन कर अपनी ओकात दिखा दी है। जिसपर भारत-पाकिस्तान के बीच हुए युद्धविराम के उल्लंघन को लेकर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि सेना को सख्त कदम उठाने के आदेश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और पाकिस्तान के डीजीएमओ के बीच सैन्य कार्रवाई रोकने को लेकर हुए समझौते का पाकिस्तान ने कुछ ही घंटों में घोर उल्लंघन किया है। विक्रम मिसरी ने बताया कि भारतीय सेना पूरी दृढ़ता से जवाबी कार्रवाई कर रही है और सीमा पर हो रहे अतिक्रमण को रोकने में जुटी है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान की ओर से यह कार्रवाई अत्यंत निंदनीय है और इसकी पूरी जिम्मेदारी पाकिस्तान पर है।

उन्होंने कहा, सशस्त्र बल हालात पर कड़ी नजर बनाए हुए हैं और उन्हें अंतर्राष्ट्रीय सीमा तथा नियंत्रण रेखा पर किसी भी तरह के उल्लंघन की पुनरावृत्ति होने पर सख्ती से कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। विदेश सचिव ने यह भी कहा कि हम पाकिस्तान से अपेक्षा करते हैं कि वह स्थिति की गंभीरता को समझे और तत्काल प्रभाव से इस अतिक्रमण को रोकने के लिए ठोस कदम उठाए। भारतीय सेना इस स्थिति पर लगातार निगरानी बनाए हुए है और किसी भी प्रकार के उल्लंघन का कड़ा और निर्णायक उत्तर देने के लिए पूरी तरह तैयार है। सीजफायर लागू होने के मात्र चार घंटे के अंदर ही पाकिस्तान ने सीजफायर का उल्लंघन कर सीमा पार से गोलीबारी शुरू की है, साथ ही कई शहरों को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया है।

इससे पहले भारत सरकार ने आतंकवाद के खिलाफ जारी लड़ाई को लेकर बड़ा फैसला लिया था, सरकार ने सख्त संदेश देते हुए कहा था कि भविष्य में कोई भी आतंकी घटना भारत के खिलाफ युद्ध की कार्रवाई मानी जाएगी। पाकिशतादन की ओर से युद्धविराम की घोषणा के बाद जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्था। न और गुजरात में देर शाम फिर गोलीबारी और ड्रोन अटैक किया गया।

श्रीनगर और बड़गाम में सैन्य ठिकानों और श्रीनगर एयरपोर्ट पर हमले की कोशिश की गई, हालांकि हमले की सभी कोशिश नाकाम कर दी गईं है। सभी ड्रोन हवा में मार गिराए गए। अभी भी पाकिस्तांन की ओर से लगातार धार्मिक स्थालों को निशाना बनाया जा रहा है। पाकिस्तानी हमले में जम्मू के शंभू मंदिर और आवासीय क्षेत्रों को नुकसान पहुंचा है। श्रीनगर के शंकराचार्य मंदिर में भी ड्रोन से हमले की कोशिश हुई है। लेकिन उस हमले को भी नाकाम कर दिया कर गया। जम्मू में अंतरराष्ट्रीय सीमा पर पाकिस्तान की गोलीबारी में बीएसएफ का एक जवान शहीद हो गया और सात अन्य घायल हो गए। सीमा सुरक्षा बल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उपनिरीक्षक मोहम्मद इम्तियाज ने वीरतापूर्वक आगे बढ़कर नेतृत्व करते हुए सर्वोच्च बलिदान दिया है।

इससे पहले भारत और पाकिस्तान युद्ध विराम पर सहमत हो गए थे। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने घोषणा की थी कि दोनों देशों के सैन्य संचालन महानिदेशकों ने 10 मई की शाम पांच बजे से जमीन, हवा और समुद्र पर सभी गोलीबारी और सैन्य कार्रवाई रोकने का फैसला किया था, लेकिन इस युद्ध विराम को कुछ घंटे बाद ही पाकिशताबन ने तोड़ दिया है। भारत और पाकिस्तान द्वारा सैन्य कार्रवाई रोके जाने संबंधी निर्णय को सबसे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक किया था और दावा किया था कि दोनों पक्षों के बीच वार्ता अमेरिका की मध्यस्थता से हुई है।

हालांकि, शीर्ष सरकारी सूत्रों ने स्पष्ट रूप से कहा कि यह परिणाम भारतीय और पाकिस्तानी पक्षों के बीच प्रत्यक्ष बातचीत का नतीजा है और इस्लामाबाद ने 'बिना किसी पूर्व शर्त, बिना किसी बाद की शर्त और अन्य मुद्दों से किसी संबंध के बिना इस पर सहमति जताई है। हमारी जवाबी कार्रवाई में पाकिस्तानी सेना को बहुत भारी नुकसान पहुंचा है। पाकिस्तान के थल और वायु ठिकानों पर वार किया गया है।

भारतीय सेना ने पाकिस्तान की एयरफील्ड्स जिसमें स्कर्दू, जकोबाबाद, सरगोदा और भुलारी शामिल है, को बहुत नुकसान पहुंचाया गया है। पाकिस्तान के एयर डिफेंस और रेडार सिस्टम को भी ध्वश्त किया गया है। जिसके बाद 10 मई को भारत और पाकिस्तान, ने चार दिन की तीव्र सैन्य झड़पों के बाद पूर्ण और तत्काल युद्धविराम की घोषणा की। यह संघर्ष, जो नियंत्रण रेखा पर मिसाइल हमलों और ड्रोन युद्ध तक बढ़ चुका है, न केवल दोनों देशों की सैन्य रणनीतियों को दर्शाता है, बल्कि वैश्विक कूटनीति और आर्थिक दबावों के पीछे की कहानी भी बयान करता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के मध्यस्थता वाले बयान से इतर विदेश सचिव विक्रम मिस्त्री ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के सैन्य महानिदेशकों के बीच सीधी बातचीत से हुआ है, जो 10 मई की दोपहर 3:35 बजे शुरू हुई और शाम 5 बजे से युद्ध विराम लागू हो गया। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इशाक डार ने भी सोशल मीडिया पर युद्धविराम की पुष्टि की है। युद्धविराम में अमेरिका की भूमिका थी या नही यह तो दोनों देशो के शीर्ष नेतृत्व जानते है, लेकिन भारत और पाकिस्तान दोनों ने इसे अपनी कूटनीतिक जीत के रूप में प्रश्तुत करने की कोशिश की। लेकिन पाकिस्तान द्वारा स्वयं ही युद्ध विराम का उल्लंघन करने पर विदेश सचिव मिस्त्री ने संकेत दिया कि दोनों देशों के सैन्य महानिदेशक फिर से बात करेंगे, क्योंकि फिलहाल यह युद्धविराम अस्थायी प्रतीत हो रहा है।

वाश्तविकता यह है कि युद्धविराम केवल भारत और पाकिस्तान की इच्छा का परिणाम नहीं है; बल्कि इसमें कई अंतरराष्ट्रीय श्तर के देशो की भूमिका थी। सऊदी अरब, कतर, और संयुक्त अरब अमीरात जैसे खाड़ी देशों ने दोनों देशो के साथ राजनयिक बातचीत की। ये देश, जो भारत और पाकिस्तान दोनों के साथ घनिष्ठ संबंध रखते हैं, तनाव को कम करने के लिए आगे आ रहे है।

वही अमेरिका का ध्यान अब चीन को नियंत्रित करने और इंडो-पैसिफिक रणनीति पर केंद्रित है, क्योंकि दक्षिण एशिया में अस्थिरता उसके हितों के लिए खतरा है। पाकिस्तान की ओर से युद्धविराम का सबसे बड़ा कारण सैन्य रणनीति से अधिक आर्थिक दबाव था। पाकिस्तान, जो मुद्रास्फीति, ऊर्जा संकट, और कमज़ोर कर आधार से जूझ रहा है, 9 मई को अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष से 1.1 अरब डॉलर की राशि प्राप्त करने में सफल रहा है। यह 7 अरब डॉलर के बेलआउट का हिस्सा था। लेकिन इस पैसे के साथ शर्तें थीं: सब्सिडी में कटौती, कर सुधार, और सबसे महत्वपूर्ण—युद्ध से बचना, उसकी प्राथमिकता होगी, तभी तो फाइनेंशियल एक्शन टास्क फोर्स की निगरानी ने पाकिस्तान पर युद्ध विराम के लिए दबाव डाला।

पाकिस्तान की बढ़ती बाहरी वित्तपोषण पर निर्भरता, भारत के साथ संघर्ष को बढ़ाने की उसकी क्षमता पर एक बड़ी बाधा कही जा सकती है। पाकिस्तान के लिए, आर्थिक स्थिरता बनाए रखने और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों से बचने की आवश्यकता उसकी रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करती है।

भारत की बढ़ती आर्थिक ताकत और संयुक्त राज्य अमेरिका और इज़राइल जैसे रणनीतिक साझेदारियों ने निर्णायक रूप से जवाब देने की उसकी क्षमता को बढ़ाया है, साथ ही अंतरराष्ट्रीय वैधता को बनाए रखा है। भारत के इज़राइली मूल के ड्रोन और साइबर युद्ध क्षमताओं के उपयोग पर प्रकाश डालता है, जो इस बात को रेखांकित करता है कि तकनीकी प्रगति ने संघर्ष की गतिशीलता को कैसे नया रूप दिया है।

सऊदी अरब और यूएई जैसे खाड़ी देश, जो कभी पाकिस्तान के बिना शर्त समर्थक थे, अब दोनों देशों के साथ अपने संबंधों को संतुलित करते हैं, भारत को एक आकर्षक आर्थिक साझेदार के रूप में देखते हैं। तभी तो भारत को किसी बड़े देश की मध्यस्थता स्वीकार करने के बजाए पाकिस्तान को इस बार कड़ा सबक सिखा देना चाहिए था, जैसा कि कभी प्रधानमंत्री के रूप में इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े करके व पाकिस्तान सेना के 93 हजार से अधिक सैनिकों को आत्मसमर्पण कराकर अपनी ताकत का एहसास कराया था। इस समय देश मे जब विपक्ष भी पूरी ताकत के साथ सरकार के साथ खड़ा था, ऐसे में अचानक युद्ध विराम के बजाए अविश्वासी पाकिस्तान को कड़ा दंड देना चाहिए था। क्योंकि जिस तरह से युद्ध विराम के बाद भी पाकिस्तान की ओछी हरकतें सीमाओं पर जारी है, उसे देखकर तो यही लगता है कि वह बिना पिटे सुधरने वाला नही है।

(लेखक राजनीतिक विश्लेषक व वरिष्ठ साहित्यकार है)

टी आर पी की ख़ातिर 'जमूरा ' कुछ भी करेगा?

निर्मल रानी

अभी गत 28 मार्च 2025 की ही बात है जबकि ज़ी न्यूज़ टी वी चैनल के स्वामी सुभाष चंद्रा को ज़ी न्यूज़ की ओर से अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की मौत को लेकर रिया चक्रवर्ती को टारगेट करने से सम्बंधित ख़बरों को उनके चैनल ज़ी न्यूज़ द्वारा ग़लत तरीक़े से पेश करने के लिए मुआफ़ी मांगनी पड़ी थी। सुभाष चंद्रा ने कहा था कि-'सुशांत राजपूत आत्महत्या मामले में सीबीआई ने क्लोज़र रिपोर्ट दायर कर दी है।

मुझे लगता है ऐसा विश्वसनीय सबूतों के अभाव में हुआ है। अब अस्पष्टता की कोई जगह नहीं है। इसका मतलब ये है कि कोई मामला नहीं बनता है। पीछे मुड़कर सोचता हूं तो मुझे लगता है कि रिया को मीडिया ने अभियुक्त बनाया और इसकी अगुवाई ज़ी न्यूज़ ने अपने तत्कालीन संवाददाताओं और संपादकों के ज़रिए की। दूसरों ने इसमें ज़ी न्यूज़ को फ़ॉलो किया। ज़ी न्यूज़ के मेंटर के रूप में मैं उनसे कहूंगा कि बहादुरी दिखाएं और मुआफ़ी मांगें। मैं रिया से मुआफ़ी मांगता हूं, भले ही इसमें मेरी कोई भूमिका नहीं थी।' गोया सुभाष चंद्रा ने यह स्वीकार किया था कि ज़ी न्यूज़ ने रिया चक्रवर्ती को ग़लत तरीक़े से आरोपी के रूप में पेश किया और अन्य मीडिया ने इसका अनुसरण किया।

सवाल यह है कि क्या ज़ी न्यूज़ के किसी संपादक या पत्रकार ने अपने मालिक की बात मानी और मुआफ़ी माँगी? और तो और क्या इस के बाद ज़ी न्यूज़ या उसके साथ झूठ परोसने का कारोबार करने वाले अन्य चैनल्स ने सुशांत राजपूत मामले से कोई सबक़ सीखा? शायद बिल्कुल नहीं। बल्कि सच्चाई तो यह है कि मीडिया की बेहयाई व बेशर्मी में और अधिक इज़ाफ़ा होता जा रहा है। गत दस वर्षों से गोदी मीडिया सत्ता की कठपुतली बन चुका है और सत्ता से सवाल पूछने के बजाये विपक्ष को ही कटघरे में खड़ा करता रहता है।

देश में अमन शांति की बातें करने के बजाये विभाजनकारी एजेंडा चलाता है। कोरोना काल जैसे संकटकाल से लेकर वर्तमान भारत पाक युद्ध जैसे अति गंभीर व संवेदनशील समय में भी सत्ता के इन्हीं 'जमूरों ' ने जिस तरह सांप्रदायिक एजेंडा चलाया उससे अधिक शर्मनाक और क्या हो सकता है?

यही मीडिया भारत के विश्वगुरु बनने का ढोल पीटता है तो कभी विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था बनाने की बात करता है। परन्तु शायद यह भूल जाता है इन सभी लक्ष्यों को हासिल करने के लिये समाज के हर वर्ग का एकजुट होना ज़रूरी है।

देश का मज़बूत होना ज़रूरी है। परन्तु आप जब भी गोदी मीडिया के टी वी चैनल खोलकर देखें इसमें सिवाय चीख़ने चिल्लाने, बदतमीज़ी की भाषा बोलने, अपने पैनल के अतिथियों के साथ बदज़ुबानी से पेश आने, हिन्दू मुस्लिम जिहाद क्षेत्रवाद, भाषा विवाद, ख़ालिस्तान, झूठ, अफ़वाह, भ्रम फैलाने के सिवा कुछ नज़र नहीं आता। पिछले दिनों पहलगाम आतंकी हमले व उसके बाद भारतीय सेना द्वारा किये गए ऑप्रेशन सिन्दूर के बाद अनेक भारतीय न्यूज़ चैनल्स विशेषकर ज़ी न्यूज़, आज तक, और रिपब्लिक भारत आदि ने राष्ट्रवाद के नाम पर जमकर सनसनीख़ेज़ सुर्ख़ियाँ बनायीं व भ्रामक ब्रेकिंग न्यूज़ चलायी गयीं। मिसाल के तौर पर एक शीर्षक था 'आज पाकिस्तान की आखिरी रात! तो दूसरा 'भारत का फ़ाइनल अटैक! '

आधा पाकिस्तान तबाह' आदि भ्रामक शीर्षक ने तनाव को बढ़ाने में कुछ अधिक योगदान दिया। निश्चित रूप से इससे जनता में भय और आक्रोश की भावना बढ़ी। साथ ही ऐसी ख़बरों के साथ जब गला फाड़ने और स्टूडियो में उछल कूद करने जैसी बेहूदा प्रवृति भी शामिल हो जाये तो न्यूज़ ऐंकर तो पूरी तरह 'जमूरे ' के किरदार में ही नज़र आता है।

यही नहीं बल्कि इसी 'जमूरा गिरोह ' द्वारा ग़लत सूचना और फ़र्ज़ ख़बरों का भी जमकर प्रसार किया गया। कुछ मीडिया चैनल्स ने असत्यापित जानकारी, संपादित वीडियो, यूक्रेन-रूस युद्ध और यहाँ तक कि वीडियो गेम फ़ुटेज तक को युद्ध से सम्बंधित वाश्तविक घटनाओं के रूप में प्रश्तुत किया। उदाहरण के लिए, जम्मू एयरफ़ोर्स बेस पर धमाके या जालंधर में ड्रोन हमले की ख़बरें फ़र्ज़ी पाई गईं। इससे न केवल भारत में ग़लत सूचना फैली, बल्कि अंतरराष्ट्रीय श्तर पर भी शर्मिंदगी हुई।

भारतीय मीडिया की भ्रामक व अफ़वाहपूर्ण कवरेज ने सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाओं की गोया बाढ़ सी ला दी। अनेक वायरल वीडियो, सैन्य गतिविधियां या ड्रोन हमलों के दावे, अधिकांश संपादित या फ़र्ज़ी थे। ख़बरों के अनुसार कई भारतीय चैनल्स ने पाकिस्तान में भी कई ऐसे मोहरे तलाश लिये थे जिन्हें वे पैसे देकर अपने चैनल्स पर बुलाते थे और उन्हें गलियां देकर, अपमानित कर जानबूझ कर माहौल में गर्मी पैदा करते थे। यानी ख़ुद नूरा कुश्ती कर जनता को तनाव में डालते थे। आख़रिकार मीडिया की इस ग़ैर ज़िम्मेदाराना हरकत की वजह से ही सरकार के सूचना व रक्षा मंत्रालय और सैन्य व विदेश विभाग के अधिकारियों को ऐसे भ्रामक प्रसारण को लेकर सावधानी बरतने की अपील करनी पड़ी।

परन्तु जिस बेशर्म मीडिया को अदालतों की झिड़की की परवाह नहीं, जिस बेहया गोदी मीडिया को अपने मान सम्मान व प्रतिष्ठा की फ़िक्रि नहीं वह भला भारत सरकार के निर्देशों की क्या परवाह करने वाला? जिसे इस बात की फ़िक्रि नहीं कि उसे तिहाड़ी, गोदी, दलाल, चरण चुम्बक, भक्त मीडिया जैसे 'अलंकरण ' से 'नवाज़ा' जाने लगा है वह कहाँ सुधरने वाला।

पूरी दुनिया के सोशल मीडिया और टी वी चैनल्स में इस बात का मज़ाक़ उड़ाया जा रहा है कि इसी दलाल मीडिया ने कराची बंदरगाह पर हमला करा दिया था, आख़रि किस आधार पर? इसी मीडिया ने लाहौर पर क़ब्ज़ा करा दिया, इस्लामाबाद पर भारतीय सेना का क़ब्ज़ा करा दिया और तो और पाकिस्तान का प्रधानमंत्री निवास तक उड़ा दिया? बेशक पाकिस्तानी मीडिया द्वारा भी इसी तरह की कई बेसिर पैर की बातें की गयीं। जैसे 'पटना व बेंगलुरु के बंदरगाहों पर पाकिस्तान का हमला' जबकि इन दोनों जगह न तो समुद्र है न ही बंदरगाह। परन्तु हमें पाकिस्तान के मीडिया से तुलना करने की ज़रुरत ही क्या? हम तो 'विश्वगुरु भारत' के मीडिया की विश्वसनीयता की बात ही कर सकते हैं।

गत दस वर्षों से इसी मीडिया पर हिंसा और नफ़रत फैलाने के आरोप लगते रहे हैं। आज देश में सामाजिक विभाजन की जो रेखायें गहरी हुई हैं उसमें इसी मीडिया की अहम भूमिका है। उस दौरान मीडिया के बेलगाम होने पर सरकार की ख़ामोशी पर भी बार बार सवाल उठे। परन्तु सत्ता ने स्वयं को लाभान्वित होते देख उस समय इनपर कोई लगाम नहीं कसी न ही नियंत्रित रहने के निर्देश जारी किये।

जबकि देश की अदालतों ने एक नहीं अनेक बार मीडिया को उसकी इन्हीं ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रसारणों के चलते आइना भी दिखाया, निर्देश भी दिये परन्तु इनकी बेशर्मी जस की तस क़ायम रही। और इसी विभाजनकारी एजेंडे के बल पर अपनी टीआरपी बढ़ती देख मीडिया उसी ढर्रे पर चलता रहा।

इसी बेलगामी का परिणाम यह रहा कि भारतीय मीडिया भारत-पाक तनाव के दौरान भ्रामक समाचार, सनसनीख़ेज़ कवरेज, ग़लत सूचना आदि प्रसारित करता रहा। और मीडिया के इसी ग़ैर ज़िम्मेदाराना रवैय्ये ने इसकी विश्वसनीयता पर विश्व श्तर पर सवाल उठाए। कुछ आउटलेट्स ने संतुलन बनाए रखने की कोशिश की, लेकिन समग्र रूप से मीडिया की भूमिका विवादास्पद रही।

इतनी बदनामी व अपमान सहने के बाद आज भी मीडिया अपने ढर्रे पर क़ायम है। गोया इनकी नज़रों में यही पत्रकारिता है और यही पत्रकारिता के मापदंड। अगर यही मीडिया सत्ता की गोदी में बैठने के बजाये निष्पक्ष रूप से अपनी ज़िम्मेदारी निभा रहा होता तो आज देश की यह हालत न होती। समाज धर्म जाति के आधार पर इतना बंटा न होता। मंहगाई बेरोज़गारी का यह आलम न होता। परन्तु अपने झूठ, बकवास, पक्षपातपूर्ण व ग़ैर ज़िम्मेदाराना प्रसारण से मीडिया ने यह साबित कर दिया है कि टी आर पी की ख़ातिर 'जमूरा ' कुछ भी करेगा?

स्वामी, मुद्रक व प्रकाशक श्रीमती आशा शर्मा द्वारा 707 मंदाकिनी टावर सेक्टर -4, वैशाली गाजियाबाद (उत्तर प्रदेश) भारत से प्रकाशित एवं एन.सी.आर. प्रिंटर्स, 15/19 साइट-4, साहिबाबाद इंडस्ट्रीयल एरिया जनपद गाजियाबाद से मुद्रित। **संपादक** : संजय शर्मा

फोनः 9899683800 वेबसाइट : www.ncrtoday.in **ई-मेलः** todayncr@gmail.com >> ncrtoday@hotmail.com **RNI**-UPHIN/2009/30721

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर में 19 मई तक मिलेगी गर्मी से राहत, बन रहा वर्षा का माहौल

गोरखपुर, एजेंसी। भीषण गर्मी से परेशान लोगों के लिए राहत भरी खबर है। जिले में वर्षा की वायुमंडलीय परिस्थितियां बनने लगी हैं। इन परिस्थितियों के आधार पर मौसम विज्ञानी कैलाश पांडेय 19 मई को आंधी और गरज-चमक के बीच वर्षा का पूर्वानुमान जता रहे हैं।

इसके परिणामस्वरूप तीन से चार दिन के लिए तापमान में गिरावट की उम्मीद बता रहे हैं। मौसम विज्ञानी के अनुसार मौसम में बदलाव का प्रभाव 17 से 18 मई के बीच दिखने लगेगा। 19 से 20 मई के बीच वर्षा के रूप में यह सामने आने लगेगा। 21-22 को हल्की से मध्यम वर्षा रिकार्ड होगी। इस वर्षा से अधिकतम तापमान के साथ-साथ न्यूनतम तापमान भी तीन से चार डिग्री गिरेगा। ऐसा पूर्वोत्तर भारत में बने निम्नवायुदाब क्षेत्र के चलते होगा। उधर बीते पांच दिन से शुरू हुई प्रचंड गर्मी मंगलवार को भी जारी रही। लगातार चौथे दिन शहर का अधिकतम तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से अधिक रिकार्ड हुआ। आर्द्रता बढ़ने के चलते लोगों को रिकार्ड तापमान से तीन डिग्री सेल्सियस की अधिक की गर्मी का अहसास हुआ।

रिटायर्ड असिस्टेंट रजिस्ट्रार से 49 लाख की ठगी

वाराणसी, एजेंसी। पटना हाई कोर्ट के सेवानिवृत्त असिस्टेंट रजिस्ट्रार सुभाष चंद्र को डिजिटल अरेस्ट करके साइबर ठगों ने 49.4 लाख रुपये ठग लिए। इस मामले में साइबर क्राइम थाना में मुकदमा दर्ज कराया गया है।
पुलिस को दी गई तहरीर में सुभाष चंद्र ने बताया कि महमूरगंज के कृष्णा अपार्टमेंट में रहते हैं।

छह मई को उनके मोबाइल पर काल आई। कॉल करने वाले ने खुद को ट्राई का कर्मचारी बताते हुए मोबाइल सिम डिएक्टिव होने की जानकारी दी। उसने खुद को साइबर क्राइम अधिकारी राकेश कुमार बताया। इसी दौरान सीबीआई ऑफिसर राजीव रंजन कुमार बनकर एक व्यक्ति ने बात की। सुबह सवा नौ बजे से दोपहर दो बजे तक बात करता रहा। सुभाष को बताया कि नरेश गोयल मनी लांड्रिंग केस में उसका नाम आ रहा है। उनके नाम से एक सिम मुंबई से खरीदा गया है जिसका दुरुपयोग मनी लांड्रिंग के लिए किया जा रहा है। नरेश गोयल ने उसे कमीशन दिया है।
इस दौरान साइबर ठग सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना और न्यायाधीश बीआर गवई बनकर गिरफ्तार करने का डर दिखाया। पटना के बैंक खाते में रखे रुपयों को वाराणसी के बैंक खाते में ट्रांसफर करने के लिए कहा।

लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस की खाली एसी बोगी में शार्ट-सर्किट से लगी आग

वाराणसी, एजेंसी। कैंट स्टेशन स्थित प्लेटफार्म नंबर 11 पर मंगलवार की शाम शार्ट सर्किट से लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस के एसी चेयर कार (सी - 1) में आग लग गई। थोड़ी ही देर में बोगी के अंदर धुआं भर गया। सायरन बजने से अलर्ट रेलकर्मियों ने समय रहते वाटर हाइड्रेंट और फायर एक्सटिंग्यूसर की मदद से आग बुझा दिया। ट्रेन अपने निर्धारित समय पर प्रस्थान की। गाड़ी संख्या -24203 वाराणसी - लखनऊ इंटरसिटी एक्सप्रेस का खाली रैक प्लेटफार्म नंबर -11 पर खड़ा था। ट्रेन प्रस्थान करने से घंटों पूर्व शाम चार बजे एसी चेयर कार (सी - 1) में पावर देकर चार्जिंग की प्रक्रिया चल रही थी।

सीएम योगी बोले : सेंध लगाई तो नहीं मिलेगा जनाजे में रोने वाला

यूपी में दो हजार फीट लंबी तिरंगा यात्रा

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि भारत की सुरक्षा में सेंध लगाने वाले के जनाजे में भी कोई रोने वाला नहीं होगा। पिछले कई दशक से पाकिस्तान सिर्फ आतंकवाद का बीज बोने का काम कर रहा है।

उन्होंने कहा कि एक समय ऐसा आएगा कि पाकिस्तान को ही आतंकवाद निगल चुका होगा, आज पाकिस्तान पूरी तरह से खोखला हो चुका है। दुनिया ने देखा, पाकिस्तान के मंत्री व सैन्य अधिकारी कैसे आतंकवादियों के जनाजे में शामिल हो रहे हैं?

मुख्यमंत्री योगी अपने सरकारी आवास पर बुधवार को आयोजित भारत शौर्य तिरंगा यात्रा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत द्वारा 22 अप्रैल 2025 को हुई पहलगाम घटना के सारे प्रमाण देने के बाद भी पाकिस्तान अपनी हरकतों से बाज नहीं आ रहा था।

ऑपरेशन सिंदूर के जरिए सौ से अधिक आतंकवादियों को भारत की तीनों सेनाओं ने अपने पराक्रम का लोहा मनवाते हुए आतंकी शिविरों को नेस्तनाबूद करने का काम किया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरंगा भारत के शौर्य व पराक्रम का प्रतीक है। कार्यक्रम के अंत में भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्री व मंत्रियों ने झंडा दिखाकर

1090 के लिए रवाना किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राष्ट्र संकट के समय हमारा धैर्य और एकता ही सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने प्रधानमंत्री का धन्यवाद देते हुए कहा कि पंजाब के आदमपुर एयर बेस पर जाकर सैनिकों का हौसला बढ़ाने का काम जो किया है, वह तीनों सेनाओं का मनोबल बढ़ाने वाला है। भारत शौर्य तिरंगा यात्रा को उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने संबोधित करते हुए कहा कि पड़ोसी देश पाकिस्तान ने भारत के अमन चैन को छेड़ने का काम किया था, भारतीय सेनाओं ने उसे मिट्टी में मिलाने का काम किया है। तीनों सेनाओं ने एयर स्ट्राइक, सर्जिकल स्ट्राइक और अब आपरेशन सिंदूर के जरिए आतंकवादियों के शिविरों को बर्बाद करने का काम किया है।

इससे पूर्व भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी ने कहा कि हमारी सेनाओं ने शौर्य व पराक्रम के जरिए जो ऑपरेशन सिंदूर करके दिखाया है, उसी के सम्मान में यह भारत शौर्य तिरंगा यात्रा निकल रही है।

चौधरी ने कहा कि अभी तक आतंकवादी घटना की निंदा होती थी, अब हमारे प्रधानमंत्री के नेतृत्व में सेनाओं ने उसका जवाब ऑपरेशन सिंदूर के जरिए दिया है। यह भारत की 140 करोड़ की जनता को पीएम का संदेश भी है। उन्होंने कहा कि तिरंगा यात्रा को भाजपा गांव व शहर में 23 मई तक निकालेगी।

कार्यक्रम में जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, सहकारिता मंत्री जेपीएस राठौर, राज्यसभा सदस्य, बृजलाल, संजय सेठ, विधायक पंकज सिंह, ओपी श्रीवास्तव, नीरज बोरा, जय देवी, योगेश शुक्ला व भाजपा के संगठन मंत्री धर्मपाल,सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे। ऑपरेशन सिंदूर के उपलक्ष्य में बुधवार को मुख्यमंत्री आवास से भारत शौर्य तिरंगा यात्रा में स्कूली बच्चों, सामाजिक संगठन, भूतपूर्व सैनिक भी शामिल रहे। वहीं, सेंचुरिएन डिफेंस अकादमी के छात्रों ने दो हजार फीट लंबा राष्ट्र ध्वज के जरिए यात्रा निकाली।

बिजली चोरी: मोहन सराय और विराट नगर कॉलोनी को बनाया हॉट स्पॉट

चेकिंग अभियान में कई क्षेत्रों में कार्रवाई

वाराणसी , एजेंसी। बिजली चोरी रोकने और लाइन लॉस कम करने के लिए से पूर्वांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड द्वारा वाराणसी में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में सोमवार को प्रमुख हॉट स्पॉट क्षेत्र रोहनिया स्थित मोहन सराय और सारनाथ के पांडेयपुर स्थित विराट नगर कॉलोनी में बड़े पैमाने पर जांच अभियान चलाया गया। अधीक्षण अभियंता बृजेश कुमार और अधिशासी अभियंता अरुण कुमार यादव के नेतृत्व में गहन कॉम्बिंग की गई।

मोहनसराय क्षेत्र में 543 उपभोक्ताओं के परिसरों की जांच की गई। इस दौरान 4 उपभोक्ताओं के यहां मीटर बाईपास कर सीधे बिजली चोरी पकड़ी गई। इन कनेक्शनों पर कुल 13 किलोवाट का अनधिकृत भार चल रहा था। विभाग द्वारा इन उपभोक्ताओं पर कुल 1.56 लाख रुपये का शमन शुल्क और 12.60 लाख रुपये का राजस्व निर्धारण किया गया है। इन सभी पर प्राथमिकी दर्ज कराने की कार्यवाही की जा रही है। इसके अतिरिक्त, 16 उपभोक्ताओं के यहां मीटर में अनियमितता पाई गई, जो गलत विधा में बिजली का प्रयोग कर रहे थे। अभियान के दौरान 35 उपभोक्ताओं का कुल 52 किलोवाट भार बढ़ाया गया और 23 खराब मीटरों को बदला गया। बकाया बिलों पर कार्रवाई करते हुए 24 उपभोक्ताओं की लाइनें काटी गईं, जिन पर कुल 3.06 लाख रुपये बकाया थे। वहीं, 42 उपभोक्ताओं से मौके पर ही 2.85 लाख रुपये की बकाया धनराशि जमा कराई गई।

वहीं चेकिंग अभियान चलने से लोगों के बीच हड़कंप मचा रहा। कई लोगों ने जल्दी-जल्दी अपने चोरी के तार भी हटाए। हालांकि कई स्थानों पर बिजली निगम के अधिकारियों ने तार हटाने से पहले ही बिजली चोरी पकड़ ली।

यूपी में इस योजना का लाभ लेकर कमाएं मुनाफा

योगी सरकार का प्लान- सभी जिलों में होंगी 1000 फूड प्रोसेसिंग यूनिट

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश की खेती अब सिर्फ पेट भरने तक सीमित नहीं रह गई है। यह अब आमदनी, रोजगार और निर्यात का मजबूत जरिया बन रही है। प्रदेश में हर जिले में 1000 प्रसंस्करण (फूड प्रोसेसिंग) इकाइयां बनाने की योजना शुरू हो गई है।

वहीं, बाराबंकी के त्रिवेदीगंज में इंडो-डच सेंटर फॉर एक्सीलेंस खोला जाएगा, जहां फूलों और सब्जियों की उन्नत खेती पर शोध और प्रशिक्षण दिया जाएगा। यह सेंटर नीदरलैंड के सहयोग से बनाया जाएगा। इसका मकसद फलों-सब्जियों के उत्पादन को वैज्ञानिक और निर्यात-योग्य बनाना है।

इसके साथ ही सरकार ने जेवर एयरपोर्ट के पास एक आधुनिक एक्सपोर्ट हब की योजना भी तैयार की है, ताकि यूपी के उत्पाद यूरोप और अमेरिका जैसे हाई स्टैंडर्ड बाजारों तक पहुंच सकें।

लखनऊ के नादरगंज औद्योगिक क्षेत्र में गामा रेडिएशन प्लांट तैयार हो चुका है। इससे फलों और सब्जियों को संक्रमण मुक्त किया जाएगा और उनकी शेल्फ लाइफ बढ़ाई जा सकेगी। प्रदेश में अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर वैज्ञानिक, श्रम-प्रधान

और मुनाफे वाली खेती को बढ़ावा दिया जा रहा है।

इससे प्रच्छन्न बेरोजगारी में कमी आई है और किसानों की आमदनी भी बढ़ी है। सीआईआई के अध्यक्ष संजीव पुरी के मुताबिक, फलों और सब्जियों की खेती परंपरागत फसलों की तुलना में दो से ढाई गुना ज्यादा मुनाफा देती है। साथ ही यह श्रम-प्रधान होने के कारण बड़े पैमाने पर रोजगार भी पैदा करती है।

प्रदेश में अब तक 17,000 से अधिक प्रसंस्करण इकाइयां स्थापित की जा चुकी हैं। प्रधानमंत्री खाद्य उन्नयन योजना के तहत यूनिट लगाने वालों को 35 प्रतिशत तक अनुदान और 30 लाख रुपये तक का कर्ज मिल रहा है।

यदि इकाई किसी महिला के नाम पर है और वह सोलर प्लांट लगाना चाहती है, तो सरकार 90 प्रतिशत तक सब्सिडी देती है। इन इकाइयों में नर्सरी, पौधरोपण, तुड़ाई, ग्रेडिंग, पैकिंग, लोडिंग, अनलोडिंग और विपणन जैसे कई कामों में रोजगार मिलेगा।

कोविड के बाद से लोगों में स्वास्थ्य को लेकर जागरूकता बढ़ी है, जिससे फल-सब्जियों की मांग तेजी से बढ़ी है। एसबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, पिछले 10 वर्षों में प्रति व्यक्ति इनकी उपलब्धता सालाना 7 से 12 किलोग्राम तक बढ़ी है।

बर्ड फ्लू से हुई थी बाघिन शक्ति की मौत, सात दिन के लिए बंद किया गोरखपुर चिड़ियाघर

गोरखपुर, एजेंसी। बर्ड फ्लू मिलने के बाद सात दिन के लिए चिड़ियाघर को बंद कर दिया गया है। मुख्य वन संरक्षक के निर्देश पर निदेशक विकास यादव ने जारी किया पत्र। अब 21 मई को आमजन के लिए खोला जाएगा।

सात मई को बाघिन शक्ति की मौत हुई थी। चिड़ियाघर प्रशासन ने बिसरा जांच के लिए राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान भोपाल भेजा था। संस्थान से भेजी गयी रिपोर्ट में बताया गया कि बाघिन की मौत बर्ड फ्लू से हुई है। इसके बाद से ही चिड़ियाघर प्रशासन अलर्ट है। आशंका है कि अन्य वन्यजीव भी इसकी चपेट में आए होंगे। हालांकि यहां से बीमार पटौदी को दो दिन पहले कानपुर चिड़िया घर भेजा गया है। चिड़ियाघर में भेड़िया भैरवी और बाघिन शक्ति की मौत एक ही जैसे हुई थी। दोनों ने 24 घंटे पानी कम पिया और अंत में उनका शरीर काम करना बंद कर दिया। चिड़ियाघर प्रशासन को आशंका थी कि कहीं दोनों में एक जैसा संक्रमण तो नहीं था।

इसके लिए इनका बिसरा आइवीआरआइ बरेली और राष्ट्रीय उच्च सुरक्षा पशुरोग संस्थान, भोपाल भेजा गया था। सोमवार को वहां से बाघिन शक्ति की रिपोर्ट चिड़ियाघर पहुंची तो उसमें बर्ड फ्लू निकला। अब भेड़िया के रिपोर्ट का इंतजार है।

वहीं दो दिन पहले गोरखपुर चिड़ियाघर से बीमार पटौदी को कानपुर भेजा गया है। वह भी बीमार था, ऐसे में आशंका जताई जा रही है कि अगर उसे भी बर्ड फ्लू हुआ होगा तो कानपुर चिड़ियाघर के अन्य वन्यजीव भी इस बीमारी की चपेट में आ सकते है।

इसे देखते हुए मुख्य वन संरक्षक और वन्यजीव ने प्रदेश भर के चिड़ियाघर और सफारी पार्क को 14 मई से 20 मई तक के लिए बंद कर दिया है। इस दौरान किसी भी बाहरी व्यक्ति को प्रवेश नहीं मिलेगा। चिड़ियाघर के निदेशक विकास यादव ने बताया कि निर्देश के क्रम में गोरखपुर चिड़ियाघर को भी सात दिन के लिए बंद किया गया है। पुनः 21 मई को खुलेगा।

पुलिस व बदमाशों के बीच हुई मुठभेड़, लुटेरे के पैर में लगी गोली; एक गिरफ्तार, दूसरा फरार

वाराणसी , एजेंसी। वाराणसी जिले में पुलिस व बदमाशों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसमें एक बदमाश को गोली लगने के बाद उसे गिरफ्तार किया गया। हालांकि दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहा।

ये है मामला

मंडुआडीह थाना क्षेत्र के जलालीपट्टी इलाके में थाना प्रभारी भरत उपाध्याय के नेतृत्व में चेकिंग चल रही थी। इस दौरान एक बाइक पर सवार दो बदमाश चेकिंग देखकर बाइक मोड़कर भागने लगे। पुलिसकर्मियों द्वारा तत्काल बदमाशों का पीछा किया गया। यह देख बदमाशों ने पुलिस बल पर फायरिंग झोंक दी।

जवाबी फायरिंग में एक बदमाश के पैर में गोली लगने से घायल हो गया, जबकि दूसरा बदमाश अंधेरे का फायदे उठाकर भागने में सफल रहा। घायल बदमाश की शिनाख्त शातिर चोर/लुटेरे सनी धरकार के रूप में हुई। वह रमद्दतपुर, लालपुर का निवासी है।

पकड़े गए बदमाश पर वाराणसी कमिश्नरेट के लालपुर, शिवपुर, कैंट, सिगरा, सारनाथ आदि थानों पर चोरी/लूट के 18 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। मुठभेड़ में घायल बदमाश सनी पिछले दिनों मंडुआडीह के नाथुपुर में हुई चोरी की घटना में भी वांछित था। मुठभेड़ की सूचना पर मौके पर डीसीपी वरूणा प्रमोद कुमार और एसीपी रोहनियां संजीव शर्मा पहुंचे।

सफलता की अगली सीढ़ी चढ़ेंगे होनहार

कोई डॉक्टर तो कोई आईएएस अफसर बनकर करना चाहता है देश सेवा

साहिबाबाद, एजेंसी। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा परिषद (सीबीएसई) के हाईस्कूल व इंटरमीडिएट के मेधावियों ने अपनी क्षमता के अनुसार सपने भी संजो रखे हैं। कोई डॉक्टर बनना चाहता है तो कोई आईएएस अधिकारी बनकर देश सेवा करना चाहता है। वह अब अपने सपनों को उड़ान देने की तैयारी में जुट गए हैं। इसके लिए विभिन्न प्रवेश परीक्षाएं भी दे रहे हैं। सेंट टेरेसा स्कूल की छात्रा रुपसा पान ने इंटरमीडिएट में विज्ञान वर्ग में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। वसुंधरा सेक्टर गार्डिया ग्लैमर में रहने वालीं रुपसा के पिता पुरनेंदु शेखर पान इंजीनियर हैं। माता रूना ग्रहणी हैं। वह सामान्य दिनों में रोजाना चार से छह घंटे ही पढ़ाई करती थीं।

वहीं, परीक्षा के समय में छह से आठ घंटे रोजाना पढ़ाई करती थीं। उनका कहना है कि पढ़ाई के लिए कभी घंटे नहीं देखने चाहिए। जो भी स्कूल में रोजाना पढ़ाया जाए उसे तैयार करते रहें।

उसी से अच्छे अंक प्राप्त किए जा सकते हैं। अच्छे नंबर आने में शिक्षकों का अहम योगदान रहा। सोशल मीडिया का दिनभर में एक-दो घंटे पढ़ाई करती थी। रुपसा का सपना इलेक्ट्रिकल इंजीनियर करना चाहते हैं। वह आइआइटी मुंबई से पढ़ना चाहती हैं। वसुंधरा के सेठ आनंदराम जयपुरिया की इंटरमीडिएट की छात्रा निशिका भंडारी ने 12वीं में मानविकी वर्ग में 99.4 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। इंदिरापुरम की शिप्रा सनसिटी में रहने वाली निशिका के पिता आनंद सिंह भंडारी गुरुग्राम में कंपनी चलाते है। माता सुरुचि गोयल गृहिणी हैं। निशिका का कहना है कि क्लास में रोजाना जो भी पढ़ाया जाता था उसे प्राथमिकता पर पढ़ती थीं। आज जो पढ़ा उसे कल पर नहीं छोड़ती थीं।

साथ ही जो पहले से पढ़ा हुआ है उसका अभ्यास भी करती थीं। उनकी म्यूजिक में रूचि है। उनका कहना है कि सोशल मीडिया का सही उपयोग करके पढ़ाई भी

की जा सकती है। वह उनका कहना है कि कई विषय की पढ़ाई स्कूल के साथ ही यूट्यूब से पढ़कर भी की है। साथ ही जो विषय वीक थे उन पर प्राथमिकता से ध्यान देती थी। निशिका का सपना आईएएस अधिकारी बनना हैं।

वसुंधरा सेक्टर-छह के एमिटी इंटरनेशनल स्कूल के हाईस्कूल के छात्र सोहम राय ने 99.2 प्रतिशत अंक हासिल किए हैं। इंदिरापुरम की एक्सप्रेस गार्डन अपार्टमेंट रहने वाले सोहम के पिता अर्नब राय गुरुग्राम की एक कंपनी में इंजीनियर हैं। माता दीपनविता ए राय शिक्षिका हैं। सोहम ने बताया कि वह रोजाना 10 से 12 घंटे पढ़ाई करते थे। अभी तक उन्होंने इंटरनेट मीडिया का उपयोग भी नहीं किया है। उनका सपना डॉक्टर बनना है। उनका कहना है कि सेल्फ स्टडी सबसे ज्यादा जरूरी है। उनका कहना है कि जो भी शिक्षक पढ़ाएं उसका अभ्यास जरूर करें। वह आगे रिसर्चर और सर्जन बनना चाहते हैं।

बहू नहीं, दूल्हे का शव लेकर लौटे बाराती, रसगुल्ला खिलाते ही होने लगी खून की उल्टी- कानपुर, एजेंसी। हनुमंत विहार के संजय गांधी नगर से गई बारात बहू नहीं, बल्कि दूल्हे का शव लेकर लौटी तो इलाके में कोहराम मच गया। बेटे के स्वागत में दरवाजे पर खड़ी मां भी गश खाकर गिर पड़ी। देखते ही देखते शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। रिश्तेदारों के साथ ही आस पड़ोस के लोगों की आंखों से आंसू निकल पड़े। वहीं, सूचना पर हनुमंत विहार पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के भेजा। पोस्टमार्टम में मौत की वजह स्पष्ट नहीं हो सकी है। बिसरा सुरक्षित रखा गया है।

संजय गांधी नगर निवासी 24 वर्षीय मोनू वर्मा प्लांबर था। परिवार में मां मुन्नी देवी, एक भाई और तीन बहनें हैं। मोनू सबसे छोटा था। बड़ी बहन रानी के मुताबिक रविवार को बारात फतेहपुर के छोटी छिवली गांव गई थी। रात में जयमाल के बाद अगले दिन सुबह सोमवार को कलेवा की रस्म चल रही थी।

लड़की पक्ष की ओर से महिला रिश्तेदार कलेवा कर रही थीं। इसी दौरान एक महिला रिश्तेदार के रसगुल्ला खिलाने पर उसे खून की उल्टी और वह गश खाकर गिर गया। हो-हल्ला मचने पर भाई को लेकर इलाके के प्राइवेट नर्सिंगहोम पहुंचे

बटलर, बेथेल, जैक्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल

आरसीबी के खिलाफ खेलेंगे केकेआर के रसेल-नरेन ; यह मैच हारी तो बाहर होगी कोलकाता

नईदिल्ली (एजेंसी)। 17 मई से आईपीएल फिर शुरू होगा, टूर्नामेंट 3 जून तक चलेगा। ऐसे में कई विदेशी प्लेयर्स के नहीं खेलने की आशंका है। वहीं वेस्टइंडीज के आंद्रे रसेल और सुनील नरेन आरसीबी के खिलाफ केकेआर से खेलते नजर आएंगे। कोलकाता अगर यह मैच नहीं जीत सकी तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर 29 मई से इंग्लैंड और वेस्टइंडीज के बीच शुरू होने वाली वनडे सीरीज के कारण दोनों टीमों के प्लेयर्स का आईपीएल प्लेऑफ खेलना मुश्किल है। इससे आरसीबी-जीटी और मुंबई को भारी नुकसान पहुंच सकता है।

कोलकाता के ज्यादातर विदेशी प्लेयर्स बेंगलुरु पहुंच जाएंगे। जहां टीम 17 मई को होम टीम आरसीबी से भिड़ेगी। केकेआर के लिए यह करो या मरो का मुकाबला है, अगर टीम हार गई तो प्लेऑफ की रेस से बाहर हो जाएगी। दूसरी ओर आरसीबी अगर जीत गई तो प्लेऑफ के क्वालिफाई करने वाली पहली टीम बन जाएगी।

दुबई में थे वेस्टइंडीज के प्लेयर्स- केकेआर में वेस्टइंडीज के 3 प्लेयर्स और 1 मेंटॉर हैं। चारों भारत-पाकिस्तान के बीच तनावपूर्ण हालात के दौरान दुबई में थे। रसेल, नरेन, रोवमन पॉवेल और मेंटॉर ड्वेन ब्रावो बुधवार तक ही भारत आ जाएंगे। अफगानी विकेटकीपर रहमानुल्लाह गुरबाज काबुल और अफ्रीकी पेसर एनरिक नॉर्त्या मालदीव में हैं। दोनों भी बुधवार तक बेंगलुरु पहुंच जाएंगे।

ऑलराउंडर मोईन अली इंग्लैंड और पेसर स्पेंसर जॉनसन ऑस्ट्रेलिया में हैं। दोनों के आने पर कोई कन्फर्मेशन नहीं मिली। विकेटकीपर क्विंटन डी कॉक के भारत आने की जानकारी भी नहीं मिल पाई। कोलकाता के भारतीय प्लेयर्स भी जल्द ही टीम से जुड़ जाएंगे। 10 मई को भारत-पाकिस्तान में सीजफायर के बाद गुजरात टाइटंस ने अहमदाबाद में प्रैक्टिस शुरू कर दी थी। टीम 18 मई को दिल्ली में होम टीम से भिड़ेगी। मुकाबले से पहले 14 मई को इंग्लैंड के जोस बटलर और साउथ अफ्रीका के जेराल्ड कूट्जी टीम से जुड़ गए।

गुजरात के बाकी विदेशी प्लेयर राशिद खान, शेरफेन रदरफोर्ड, कगिसो रबाडा और करीम जनत इस दौरान टीम के साथ भारत में ही थे। रदरफोर्ड और बटलर को 29 मई से 3 जून तक इंग्लैंड में अपनी-अपनी टीमों से वनडे सीरीज खेलनी है। ऐसे में लज्ञ अगर प्लेऑफ में पहुंची तो दोनों का खेल पाना मुश्किल हो सकता है।

बेथेल और जैक्स का प्लेऑफ खेलना भी मुश्किल - इंग्लैंड को 29 मई से वेस्टइंडीज के खिलाफ वनडे और टी-20 की सीरीज खेलनी है। इंग्लिश टीम में आरसीबी के जैकब बेथेल और मुंबई के विल जैक्स का नाम है। दोनों ही टीमें प्लेऑफ में पहुंचने की दावेदार भी हैं, ऐसे में दोनों इंग्लिश प्लेयर्स का प्लेऑफ के मैच खेल पाना मुश्किल लग रहा है। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से शुरू होगा।

रबाडा-एनगिडी समेत 8 आईपीएल प्लेयर्स साउथ अफ्रीका लौटेंगे

डब्ल्यूटीसी फाइनल में शामिल होने के लिए बुलाया गया, 26 मई तक जाना होगा

मुंबई (एजेंसी)। आईपीएल में शामिल साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों को प्ले ऑफ शुरू होने से पहले ही लौटना पड़ सकता है। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के लिए टीम में शामिल खिलाड़ियों को 26 मई तक लौटने के लिए कहा है। इनमें गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, पंजाब किंग्स के मार्को यानसन, मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन, लखनऊ सुपर जायंट्स से एडेन मार्करम, दिल्ली कैपिटल्स के ट्रिस्टन स्टब्स और सनराइजर्स हैदराबाद से व्यान मुल्डर शामिल हैं।

11 जून को खेला जाना है डब्ल्यूटीसी फाइनल – डब्ल्यूटीसी फाइनल 11 जून से लॉर्ड्स में खेला जाएगा। बोर्ड ने ऐसा फैसला इसलिए किया है, ताकि खिलाड़ियों को तैयारी के लिए पर्याप्त समय मिल सके। वहीं सभी आठों खिलाड़ी टीम के साथ 30 मई डब्ल्यूटीसी फाइनल के लिए इंग्लैंड रवाना हो सकें। आईपीएल 2025 में साउथ अफ्रीका के कुल 20 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।

गुजरात, बेंगलुरु, पंजाब और मुंबई को हो सकती है मुश्किल – साउथ अफ्रीका के 8 खिलाड़ियों के 26 मई को आईपीएल से लौटने से गुजरात टाइटंस, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, पंजाब किंग्स और मुंबई इंडियंस को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। आईपीएल पॉइंट टेबल में टॉप में शामिल गुजरात टाइटंस के कागिसो रबाडा, दूसरे स्थान पर रहने वाली टीम रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लुंगी एनगिडी, तीसरे स्थान पर मौजूद टीम पंजाब किंग्स के मार्को यानसन और चौथे स्थान पर काबिज मुंबई इंडियंस के दो खिलाड़ी कॉर्बिन बॉश और रयान रिकेल्टन शामिल हैं।

आईपीएल फिर से 17 मई से शुरू हो रहा है – आईपीएल 2025 17 मई से फिर शुरू हो रहा है। 6 वेन्यू पर लीग स्टेज के बचे हुए 13 मैच होंगे। प्लेऑफ स्टेज 29 मई से खेला जाएगा, 3 जून को फाइनल होगा। पहले 25 मई को खेला जाना था। पाकिस्तान के साथ तनाव के कारण 9 मई को आईपीएल सस्पेंड करना पड़ा था।

लिविंगस्टन इंग्लैंड की वनडे और टी-20 टीम से बाहर

हैरी ब्रूक की परमानेंट कप्तानी में पहली सीरीज, 29 मई को वेस्टइंडीज से भिड़ेंगे

नईदिल्ली (एजेंसी)। वेस्टइंडीज के खिलाफ 29 मई से शुरू होने वाले व्हाइट बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड ने वनडे और टी-20 टीम का ऐलान कर दिया। लियम लिविंगस्टन को स्क्वॉड में जगह नहीं मिली। गुजरात टाइटंस से आईपीएल खेल रहे जोस बटलर भी स्क्वॉड का हिस्सा हैं, ऐसे में उनका प्लेऑफ मैच खेल पाना मुश्किल है। हैरी ब्रूक को व्हाइट बॉल टीम का परमानेंट कप्तान बनाए जाने के बाद यह इंग्लैंड की पहली सीरीज है। फिल सॉल्ट को वनडे टीम में मौका नहीं मिला, वे 6 जून से टी-20 सीरीज खेलेंगे।

लियम डॉसन और विल जैक्स की वापसी – लेफ्ट आर्म स्पिनर लियम डॉसन को 2022 के बाद पहली बार टी-20 टीम में जगह मिली। फिल सॉल्ट की भी सबसे छोटे फॉर्मेट की टीम में वापसी हुई। विल जैक्स को दोनों स्क्वॉड में जगह मिली। जोफ्रा आर्चर वनडे सीरीज खेलेंगे, लेकिन इंजरी को ध्यान में रखते हुए उन्हें टी-20 सीरीज से बाहर रखा गया।

इंग्लैंड स्क्वॉड

वनडे – हैरी ब्रूक (कप्तान), जोफ्रा आर्चर, गस एटकिंसन, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, बेन डकेट, टॉम हार्टली, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, जो रूट और जैमी स्मिथ।

टी-20– हैरी ब्रूक (कप्तान), रेहान अहमद, टॉम बैंटन, जैकब बेथेल, जोस बटलर, ब्रायडन कार्स, लियम डॉसन, बेन डकेट, विल जैक्स, साकिब महमूद, जैमी ओवर्टन, मैथ्यू पॉट्स, आदिल रशीद, फिल सॉल्ट और ल्यूक वुड।

लक्ष्य सेन थाईलैंड ओपन बैडमिंटन से बाहर

● राजावत भी राउंड-1 में हारे, महिला वर्ग में आकर्षि, उन्नति अगले दौर में

बैंकॉक (एजेंसी)। भारत के बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और प्रियांशु राजावत थाईलैंड ओपन के पहले राउंड से बाहर हो गए हैं। वहीं, आकर्षि कश्यप और उन्नति हुड्डा इस सुपर 500 टूर्नामेंट में कड़े मुकाबले जीतकर अगले दौर में पहुंच गई हैं। बुधवार को सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने एक घंटे 20 मिनट तक चले मैच में 18-21, 21-9, 17-21 से हराया। पहला गेम हारने के बाद सेन ने दूसरे गेम में वापसी की, लेकिन तीसरे और निर्णायक गेम में एंगुयेन ने उन्हें उबरने का मौका ही नहीं दिया। सेन को आयरलैंड के एन एंगुयेन ने 18-21, 21-9, 17-21 से हराया।

राजावत भी तीन गेम में हारे

मेंस सिंगल्स कैटेगरी में प्रियांशु राजावत को भी पहले दौर में पराजय का सामना करना पड़ा। उन्हें इंडोनेशिया के अल्वी फरहान ने 21-13, 17-21, 21-16 से मात दी। इस मुकाबले में प्रियांशु ने बड़े अंतर से गंवाया, लेकिन दूसरे गेम में शानदार कोर्ट कवरेज और दमदार खेल की बदौलत 21-17 की वापसी हासिल की। तीसरे गेम में प्रियांशु को 21-16 की पराजय झेलनी पड़ी।

आकर्षि-उन्नति ने तीसरे गेम में जीते मुकाबले

विमेंस सिंगल्स कैटेगरी में आकर्षि कश्यप ने जापान की कोआरू सुगियामा को 21-16, 20-22, 22-20 से हराया। वहीं, उन्नति ने थाईलैंड की थामोंवान एन को 21-14, 18-21, 23-21 से मात दी। रक्षिता श्री संतोष रामराज पहले दौर में सिंगापुर की यिओ जिया मिन से 18-21, 7-21 से हार गईं।

श्रीलंका में स्नेह राणा की सफलता का राज धीमी और फुल लेंथ गेंदबाजी

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्नेह राणा ने श्रीलंका में त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में भारत की खिताबी जीत में अहम भूमिका निभाई और इस ऑफ स्पिनर ने कहा कि उनकी सफलता में गेंदबाजी कोच अविष्कार साल्वी की अहम भूमिका रही। साल्वी ने पिच को काफी अच्छी तरह पढ़ा और स्नेह को कम गति से गेंदबाजी करने की सलाह दी जो उनके

काफी काम आई। बल्लेबाजी की अनुकूल पिचों पर स्नेह गेंद की गति में विविधता लाई जो काफी महत्वपूर्ण साबित हुई। उन्होंने श्रृंखला में 15 विकेट चटकाए और कई देशों की श्रृंखला में ऑस्ट्रेलिया की कैथरीन फिट्ज़पैट्रिक के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी की। स्नेह ने कहा, 'मैंने हमारे गेंदबाजी कोच अविष्कार सर से बात की। उन्होंने हमें बताया कि यहां किस तरह की गेंदबाजी कामयाब रहेगी। गेंद बल्ले पर काफी अच्छी तरह आ रही थी इसलिए हमें धीमी और फुल लेंथ की गेंद फेंकने की सलाह दी गई। इस ऑफ स्पिनर ने कहा, 'मैं बेहद खुश हूं, मुझे खुशी है कि मुझे इतने लंबे समय बाद राष्ट्रीय टीम की ओर से खेलने का मौका मिला। इस जर्सी को दोबारा पहनकर काफी अच्छा महसूस हो रहा है। श्रीलंका में सपाट पिचें थीं और एक मैच में तो 600 से अधिक रन बने लेकिन स्नेह ने अपनी सटीक गेंदबाजी से बल्लेबाजों पर दबदबा बनाया। स्नेह ने महिला त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला में सर्वाधिक विकेट के न्यूजीलैंड की आल खादीर और न्यूजीलैंड की राशेल पुलर के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा जिन्होंने 2002 में 12 विकेट चटकाए थे।

पहलगाम हमला : पाकिस्तान का राजगीर में एशिया कप हॉकी खेलना मुश्किल

नई दिल्ली (एजेंसी)। हॉकी इंडिया सरकार के परामर्श का इंतजार कर रहा है लेकिन पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच इस साल होने एशिया कप हॉकी में पाकिस्तान का भाग लेना मुश्किल लग रहा है। एशिया कप बिहार के राजगीर में 27 अगस्त से सात सितंबर के बीच खेला जायेगा। मेजबान भारत, पाकिस्तान, जापान, कोरिया, चीन, मलेशिया, ओमान और चीनी ताइपे को इसमें भाग लेना है। यह अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में होने वाले विश्व कप का क्वालीफाइंग टूर्नामेंट भी है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोलानाथ सिंह ने कहा, 'अभी कुछ कहना जल्दबाजी होगा लेकिन हम सरकार के दिशा निर्देशों का पालन करेंगे जैसा पहले भी होता आया है। अभी कुछ कहा नहीं जा सकता। पहलगाम में क्रूर आतंकवादी हमले और आपरेशन सिंदूर के बाद अभी कुछ कहना मुश्किल है। अभी टूर्नामेंट में तीन महीने का समय है लेकिन हम सरकार की सलाह का पालन करेंगे। इसमें कोई दोराय नहीं है।

पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादी हमले में 26 भारतीयों की मौत हो गई थी जिसमें अधिकांश पर्यटक थे। इसके बाद से भारत सरकार ने सभी पाकिस्तानियों को देश छोड़कर जाने के आदेश दिए। इसके बाद भारत ने पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले जम्मू कश्मीर में आतंकवादी ठिकानों पर आपरेशन सिंदूर के जरिये मिसाइल हमले किए। पाकिस्तान ने जवाब में ड्रोन और मिसाइल हमले किए जिन्हें भारत की शानदार वायु रक्षा प्रणाली ने नाकाम कर दिया। भारत ने पाकिस्तान के कई प्रमुख शहरों में सैन्य ठिकानों और वायु रक्षा प्रणाली को नेस्तनाबूद कर दिया। दोनों देश दस मई को युद्धविराम पर राजी हो गए जब पाकिस्तान के सैन्य अभियान के महानिदेशक ने भारत के डीजीएमओ से संपर्क किया।

महासंघ के एक सूत्र ने कहा, 'अगर सरकार मंजूरी नहीं देती है तो पाकिस्तानी टीम यहां नहीं आएगी। यह सब सरकार के उस समय के रूख पर निर्भर करता है। अगर पाकिस्तान को भारत आने की मंजूरी नहीं मिलती है तो टूर्नामेंट सात टीमों के साथ होगा या एक नयी टीम को बुलाया जाएगा। यह फैसला एशियाई हॉकी महासंघ लेगा।

एक अधिकारी ने बताया, 'अभी यह कहना मुश्किल है कि नई टीम कौन सी होगी या यह सात टीमों के साथ ही होगा। एशियाई हॉकी महासंघ इस पर फैसला लेगा। पाकिस्तान हॉकी टीम ने पिछली बार लखनऊ में 2016 जूनियर विश्व कप नहीं खेला था जो पठानकोट आतंकवादी हमले के कुछ महीने बाद ही हुआ था। उसकी जगह मलेशिया को शामिल किया गया था। मौजूदा हालात में पाकिस्तान का 28 नवंबर से दस दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले जूनियर विश्व कप में खेलना भी मुश्किल है। एशिया कप अगले साल नीदरलैंड और बेल्जियम में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप का क्वालीफायर टूर्नामेंट भी है।

रियो ओलिंपिक के गोल्ड मेडलिस्ट रेसलर पर प्रॉस्टिट्युशन के आरोप

कोलंबस पुलिस ने रंगे हाथों गिरफ्तार किया, 19 मई को कोर्ट में पेश होंगे

कोलंबस (एजेंसी)। रियो ओलिंपिक 2016 में गोल्ड जीतने वाले अमेरिकी रेसलर काइल स्नायडर को कोलंबस पुलिस ने प्रॉस्टिट्यूशन के मामले में गिरफ्तार किया है। वे शुक्रवार रात को एक प्रॉस्टिट्यूशन से जुड़े स्टिंग ऑपरेशन में फंसे थे। हालांकि, पूछताछ के बाद स्नाइडर को मौके से ही छोड़ दिया। अब उन्हें 19 मई 2025 को अदालत में पेश होना होगा। अमेरिकी मीडिया की रिपोर्ट के अनुसार, 29 साल के स्नाइडर के अलावा, 15 अन्य लोगों को इस मामले में आरोपी बनाया गया है। यह कार्रवाई कोलंबस पुलिस विभाग ने कोलंबस के नॉर्थ साइड इलाके में की।

ऐसे पकड़ में आए स्नायडर – पुलिस ने बताया कि हमने ऑनलाइन एस्कॉर्ट सेवा के फर्जी विज्ञापन पोस्ट किए थे, ताकि वे ऐसे लोगों को पकड़ सकें। जो प्रॉस्टिट्यूशन जैसी गैरकानूनी सेवाओं की तलाश कर रहे थे। शुक्रवार रात 8-15 बजे के करीब स्नायडर ने इन विज्ञापनों पर दिए गए नंबर पर कॉल और टेक्स्ट मैसेज भेजे। रेसलर को लगा कि वे किसी असली एस्कॉर्ट सर्विस से संपर्क कर रहे हैं। इतना ही नहीं, कॉल के बाद वे पास के एक होटल पहुंचे। जहां उन्होंने एक पुलिस की महिला अधिकारी को नकद पैसे दिए। अधिकारी ने मौखिक रूप से यौन सेवा की मांग की।

अर्शदीप सिंह का टेस्ट डेब्यू तय !

इंग्लैंड में दिखाएंगे जलवा, शमी पर संदेह

नईदिल्ली (एजेंसी)। भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अर्शदीप सिंह आगामी रेड-बॉल सीरीज के लिए इंग्लैंड के लिए उड़ान भर सकते हैं। भारत के इंग्लैंड दौरे में पांच मैचों की टेस्ट सीरीज शामिल है। यह 20 जून से शुरू होने वाली है और हाई-प्रोफाइल सीरीज 4 अगस्त को समाप्त होने वाली है। मुख्य सीरीज की शुरुआत से पहले, भारत ए को इंग्लैंड में दो चार दिवसीय मैच खेलने हैं। 26 वर्षीय अर्शदीप इंग्लैंड में होने वाली सीरीज़ के लिए चयनकर्ताओं के रडार पर हैं, और उन्हें टेस्ट टीम में चुना जाएगा।

अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी का चयन संदिग्ध है और उनके चयन की 50/50 संभावना है, जबकि हर्षित राणा भारत ए टीम के साथ इंग्लैंड जाएंगे। बीसीसीआई विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत को ही उप-कप्तान चुनेगी। बता दें कि मोहम्मद शमी का फॉर्म और फिटनेस एक बड़ी चिंता का विषय रहा है क्योंकि इंडियन प्रीमियर लीग के चालू सत्र में वह गेंद के साथ बहुत खराब प्रदर्शन कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत का इंग्लैंड दौरा 20 से 24 जून तक हेडिंग्ले, लीड्स में पहले टेस्ट के साथ शुरू होगा। इसके बाद दूसरा टेस्ट 2 से 6 जुलाई तक खेला जाएगा, तीसरा टेस्ट 10 से 14 जुलाई तक लंदन के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर होगा। मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड में 23 से 27 जुलाई तक चौथा टेस्ट खेला जाएगा, जबकि पांचवां और अंतिम टेस्ट 31 जुलाई से 4 अगस्त तक लंदन के द ओवल में खेला जाएगा।

मैक्सवेल से शादी क्यों नहीं की ? सवाल पर गुस्साई प्रीति जिंटा, बोली यह भेदभाव क्यों ?

नईदिल्ली (एजेंसी)। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक इंटरेक्शन सेशन के दौरान, अभिनेत्री और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) की सह-मालिक प्रीति जिंटा ने एक यूजर के आपत्तिजनक सवाल पर कड़ा जवाब दिया। यूजर ने मजाक में पूछ लिया कि क्या क्रिकेटर ग्लेन मैक्सवेल के आईपीएल 2025 में पंजाब किंग्स के लिए खराब प्रदर्शन का कारण यह था कि प्रीति ने उनसे शादी नहीं की। इस सवाल से नाराज प्रीति ने यूजर को लैंगिक भेदभाव बंद करने और सम्मान देने की सलाह दी। प्रीति ने एक्स पर लिखा- क्या आप यह सवाल पुरुष टीम मालिकों से पूछेंगे, या यह भेदभाव सिर्फ महिलाओं के लिए है? क्रिकेट में आने से पहले मुझे नहीं पता था कि कॉर्पोरेट जगत में

महिलाओं के लिए जीवित रहना कितना मुश्किल है। उन्होंने आगे कहा, आपने यह सवाल मजाक में पूछा होगा, लेकिन उम्मीद है कि आप इसे गंभीरता से देखेंगे। मैंने 18 साल की मेहनत से अपनी पहचान बनाई है, कृपया मुझे वह सम्मान दें और लैंगिक पक्षपात बंद करें। धन्यवाद। पंजाब किंग्स -प्रीति जिंटा की सह-स्वामित्व वाली आईपीएल टीम, वर्तमान में आईपीएल 2025 की अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।